तापमान
अधिकतम 29 .1 डिग्री
न्यूनतम 10 .3 डिग्री

हरिभूमि
# रोहतक भूमि
रोहतक, रविवार 22 फरवरी 2026

11 स्मार्ट, सुरक्षित व पर्यावरण अनुकूल शहर बसाएंगे ...

12 सरकार लोगों को मूलभूत सुविधा दे रही : मंत्री पंवार

श्री KVM SUPER SPECIALITY HOSPITAL
Grand Opening: Sunday, 22 Feb 2026, Time: 01 PM
5th Mile Stone, Vill. Karontha, Jhajjar Road, Rohtak - 124001 (Haryana) 70820-03220 70820-08053

## खरावड़ फायरिंग मामला: मौके से गोलियों के 20 खोल बरामद

*सोशल मीडिया पर पोस्ट कर काला राठी ने ली हत्या की जिम्मेदारी*

# न सत्यवान मिला, न उसका शव गाड़ी के भीतर-बाहर खून ही खून

1 वायरल पोस्ट से मची सनसनी परिवार ने हत्या कर शव ले जाने का आरोप लगाया

2 गांव में तनाव बरकरार, कई एंगल से जांच कर रही पुलिस आरोपी पकड़ से बाहर

3 गांव के ही धर्मेंद्र की हत्या के मामले में जेल में बंद सत्यवान फिलहाल जमानत पर था

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

खरावड़ गांव के पास शुक्रवार को फायरिंग कर अगवा किए गए युवक के मामले ने शनिवार को नया मोड़ ले लिया। बदमाशों द्वारा घायल को गाड़ी में डालकर फरार होने के बाद से न तो सत्यवान मिला, न ही उसका शव। गाड़ी के भीतर और बाहर खून ही खून दिख रहा था। मौके से गोलियों के 20 खोल मिले हैं। दूसरी तरफ, सोशल मीडिया पर वायरल हुई एक पोस्ट ने तनाव को बढ़ा दिया है। इसमें एक कथित बदमाश सुंदर राठी ने इस वारदात की जिम्मेदारी ली है। पुलिस फिलहाल इस पोस्ट की वास्तविकता की जांच कर रही है। पोस्ट को फिलहाल सबूत के रूप में संकलित किया गया है, लेकिन पुष्टता अभी नहीं की जा सकी है। बता दें कि शुक्रवार की शाम को एक कार गांव खेड़ी साध के पास मिली थी। जिसमें लगभग 20 राउंड फायरिंग की गई थी। कार के शीशे चकनाचूर थे और ड्राइविंग सीट और बाहर खून के निशान थे। जांच में सामने आया कि गाड़ी गांव खेड़ी साध निवासी सत्यवान की है। शनिवार को सत्यवान के परिजन एसपी भी मिले। पुलिस का मानना है कि फायरिंग के बाद हमलावर सत्यवान को अपने साथ ले गए।

रोहतक। लघु सचिवालय में एसपी से मिलने आए सत्यवान के परिजन।

### वायरल पोस्ट में यह लिखा

पोस्ट में लिखा गया है, राम राम सभी भाइयों को। मैं सुंदर राठी (काला राठी) भाइयों, आज सत्यवान का मर्डर हुआ है। इसकी जिम्मेदारी हम लेते हैं। हमने इसे मार दिया है और इसकी लाश भी नहीं देंगे। यह हमारा दुश्मन था। जो भी हमारे दुश्मन हैं, तैयार रहें। टाइम लग सकता है लेकिन माफी नहीं।" इस पोस्ट ने मामले को और संगीन बना दिया है।

### हत्या और पुरानी रंजिश

पुलिस की जांच में पता चला कि कार गांव खेड़ी साध निवासी सत्यवान के नाम पर पंजीकृत थी। सत्यवान 2018 में अपने गांव के ही धर्मेंद्र की हत्या के मामले में जेल में बंद था। ढाई साल पहले उसे जमानत मिली। घटना के पीछे पुरानी रंजिश का हाथ हो सकता है। सत्यवान और धर्मेंद्र के परिवारों के बीच वर्षों से विवाद चल रहा था। अभी तक सत्यवान का पता नहीं चला।

### परिवार एसपी से मिला

सत्यवान के परिजन एसपी सुरेंद्र सिंह भौरिया से मिलने पहुंचे। सत्यवान की मां धनपति ने बताया कि बेटा भाई को खरखौदा छोड़कर गया और कोर्ट से लौटते समय लापता हो गया। परिवार का मानना है कि यह हत्या पुरानी रंजिश के चलते हुई और हत्याकर शव को कहीं छुपा दिया गया है। सत्यवान का पता जल्द लगाया जाए और दोषियों को सजा दी जाए।

### सबूत जुटाए गए

पुलिस ने आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली। आसपास के लोगों से पूछताछ की जा रही है। कार पर गोलियों के निशान और ड्राइविंग सीट पर खून से यह साफ है कि फायरिंग बहुत करीब से हुई। पुलिस का मानना है कि हमलावर जान बूझकर इतने निशान छोड़ गए कि यह स्पष्ट रूप से चेतावनी का संदेश भी हो सकता है।

### पुलिस मार रही छापे

शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर लिया गया है। क्राइम सीन से महत्वपूर्ण सबूत जुटाए गए हैं। पुलिस की कई टीमें अलग-अलग क्षेत्रों में रेड कर रही हैं और सत्यवान से जुड़े पुराने मामलों की जांच भी जारी है। अधिकारी यह भी बता रहे हैं कि सोशल मीडिया पोस्ट की जांच चल रही है। -प्रतीक अग्रवाल, एएसपी

## शहर में दो ज्वेलरी शोरूम पर रेड

### कर चोरी की शिकायत पर कार्रवाई, जीएसटी टीम ने खंगाला रिकॉर्ड

*बिल, रजिस्टर, कंप्यूटर वित्तीय दस्तावेजों की गहनता से की जांच*

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

शहर के व्यस्त रेलवे रोड और अग्रसेन चौक क्षेत्र में उस समय हलचल मच गई जब जीएसटी विभाग की टीम ने दो प्रमुख ज्वेलरी शोरूम पर एक साथ दबिश दी। कार्रवाई के दौरान अधिकारियों ने दुकानों के भीतर मौजूद ग्राहकों को बाहर जाने के लिए कहा और तत्पश्चात बिल, रजिस्टर, कंप्यूटर रिकॉर्ड तथा अन्य वित्तीय दस्तावेजों की गहन जांच शुरू कर दी। टीम सबसे पहले रेलवे रोड स्थित शुभम ज्वेलर्स पहुंची। यहां जीएसटी से जुड़े कागजात, बिक्री रजिस्टर और लैपटॉप में सुरक्षित डिजिटल डाटा की जांच की गई। इसके बाद जीएसटी इंस्पेक्टर मोहित अहलावत के नेतृत्व में टीम अग्रसेन चौक स्थित लाल घासीराम ज्वेलर्स के शोरूम पहुंची। यहां भी दस्तावेजों को खंगाला गया और शोरूम संचालक से पूछताछ की गई। विभाग ने बिक्री और स्टॉक के आंकड़ों का मिलान करते हुए कर भुगतान की स्थिति की जांच की। वहीं, कार्रवाई को लेकर अफरा तफरी का माहौल रहा।

### बॉडी बिल्डर रोहित धनखड़ मर्डर मामले में 7वां आरोपी गिरफ्तार

**रोहतक।** भिवानी में हुई हुमायुपुर निवासी रोहित हत्याकांड में एसआईटी टीम ने सातवें आरोपी को गिरफ्तार किया है।

आरोपी की पहचान आकाश पुत्र अजीत निवासी तिगडाना जिला भिवानी के रूप में हुई है। गिरफ्तार आरोपी को अदालत में पेश कर तीन दिन के पुलिस रिमांड पर लिया गया है। पुलिस मामले की गहनता से जांच कर रही है। एएसपी वाईवीआर शशि शेखर ने बताया कि 28 नवंबर 2025 को हुमायुपुर निवासी सरोज की शिकायत पर जिला भिवानी थाना सदर में मामला दर्ज किया गया। प्रारंभिक जांच में सामने आया कि सरोज के पुत्र रोहित और उसकी एक बहन हैं। बता दें कि, गांव हमायुंपूर निवासी बॉडी बिल्डर रोहित धनखड़ 27 नवंबर को जतिन के साथ गांव रेवाड़ी खेड़ा भिवानी में शादी समारोह में गया था। शादी में आए युवकों ने रोहित व उसके दोस्त जतिन के साथ झगड़ा गया। इसी झगड़े के बाद आरोपियों ने रोहित की हत्या कर दी थी।

### किलोई के युवक से 5 लाख रुपये की रंगदारी मांगने के 3 आरोपी पकड़े

**रोहतक।** पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए किलोई निवासी युवक सतीश से 5 लाख रुपये की रंगदारी मांगने वाले तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों को पेश अदालत किया गया, जबकि मामले की गहनता से जांच जारी है। सतीश की शिकायत के आधार पर केस दर्ज किया गया। प्रारंभिक जांच में सामने आया कि सतीश को बार-बार कॉल कर 5 लाख रुपये की मांग की गई। आरोपियों ने सतीश और उसके बेटे को जान से मारने की धमकी भी दी। जब फिरौती नहीं दी गई, तो आरोपियों ने हथियार दिखाकर पैसे की मांग की। स. उप.नि. राजीव के नेतृत्व में आरोपियों अमित, सुमित उर्फ हन्नी और रोहित उर्फ शक्तिमान को गिरफ्तार किया गया। आरोपियों के खिलाफ थाना सदर में केस दर्ज की गई। पुलिस की जांच जारी है और आरोपियों से पूछताछ के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

!! महायोगी गुरुगोरक्षनाथाय नमः!! !! श्री बाबा मस्तनाथो विजयतेतराम!!

गोरक्ष स्वरूप सिद्ध शिरोमणि
श्री बाबा मस्तनाथ जी महाराज

तपस्वी रणपतनाथ योगी जी

श्री बाबा मस्तनाथ मठ

तपस्वी मानधातानाथ योगी जी

BABA MASTNATH UNIVERSITY ROHTAK
विधेयम् जन सेवनम्
बाबा मस्तनाथ विश्वविद्यालय
अस्थल बोहर, रोहतक

सादर आमंत्रण

18वीं सदी से चली आ रही परम्परानुसार
सिद्ध शिरोमणि श्री बाबा मस्तनाथ जी की पुण्यस्मृति में लगने वाला

# सालाना मेला व भण्डारा

श्रीयुत महंत
श्रेयोनाथ जी महाराज
पूर्व स्वास्थ्य मंत्री, हरियाणा सरकार

ब्रह्मलीन महंत
चाँदनाथ जी महाराज
पूर्व सांसद, अलवर

दिनांक : 23, 24 व 25 फरवरी, 2026

तदनुसार फाल्गुन मास, शुक्ल पक्ष : सप्तमी, अष्टमी, नवमी (सोमवार, मंगलवार, बुधवार) को मनाया जा रहा है।

इस बहुआयामी आध्यात्मिक मेले में आप सभी सहपरिवार सादर आमंत्रित हैं।

अतः सभी महानुभाव, साधु-संत, योगी-संन्यासी, माता बहनें, बच्चे-बुजुर्ग
एवं श्रद्धालु, परिजन-पूरजन-स्वजन के साथ पहुँचकर मेले का आनन्द उठाएँ तथा बाबा जी की दिव्य कृपा और आशीर्वाद प्राप्त करें।

मेले के दौरान निम्नलिखित कार्यक्रम आयोजित किये जाएंगे।

सर्कल कबड्डी
24 फरवरी, 2026

विशाल इनामी कुश्ती दंगल
25 फरवरी, 2026

महंत बालकनाथ योगी
गद्दीनशीन महंत श्री बाबा मस्तनाथ मठ, अस्थल बोहर, रोहतक-124021 (हरियाणा)
कुलाधिपति-बाबा मस्तनाथ विश्वविद्यालय | विधायक-तिजारा एवं पूर्व सांसद, अलवर व पूर्व प्रदेश उपाध्यक्ष, भाजपा (राजस्थान)

# प्रो. सोमनाथ सचदेवा ने संभाला एमडीयू के कुलपति का कार्यभार

## विवि की नैक ग्रेडिंग को उत्कृष्ट बनाना, उच्च शिक्षा एवं शोध की गुणवत्ता प्राथमिकता

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

विश्वविद्यालय की नैक ग्रेडिंग को उत्कृष्ट बनाने, उच्च शिक्षा एवं शोध की गुणवत्ता में अभिवृद्धि करने, सुशासन सुनिश्चित करने तथा वित्तीय प्रबंधन को सुदृढ़ करने को अपनी सर्वोच्च प्राथमिकता बताया। ऐसा कहना है महर्षि दयानन्द विश्वविद्यालय के नवनियुक्त कुलपति प्रो. सोमनाथ सचदेवा का। उन्होंने शनिवार को पदभार ग्रहण करने के उपरांत डीन, विभागाध्यक्षों एवं स्टैच्यूटरी अधिकारियों की महत्वपूर्ण बैठक ली कुलपति प्रो. सोमनाथ सचदेवा ने स्पष्ट कहा कि नैक मूल्यांकन विश्वविद्यालय की शैक्षणिक और प्रशासनिक गुणवत्ता का दर्पण है। इसलिए सभी विभाग समन्वित रूप से कार्य करते हुए अकादमिक उत्कृष्टता, शोध नवाचार, छात्र हित सेवाओं और संस्थागत पारदर्शिता को सुदृढ़ करें। उन्होंने कहा कि गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, शोध परियोजनाएं, पेटेंट और प्रकाशनों में वृद्धि कर विश्वविद्यालय की राष्ट्रीय स्तर पर पहचान को और मजबूत किया जाएगा। उन्होंने शिक्षकों से आह्वान किया कि वे बदलते वैश्विक शैक्षणिक परिवेश के अनुरूप स्वयं को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस तथा नई डिजिटल तकनीकों में अपडेट करें। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस शिक्षा, शोध और प्रशासनिक कार्यप्रणाली का अभिन्न हिस्सा बन चुका है। यदि शिक्षक नई तकनीकों को आत्मसात करेंगे, तो विद्यार्थियों को भी गुणवत्तापूर्ण और आधुनिक शिक्षा प्रदान की जा सकेगी। कुलपति ने निजी विश्वविद्यालयों से प्रतिस्पर्धा की आवश्यकता पर भी जोर दिया।

रोहतक। मीटिंग लेते नवनियुक्त कुलपति प्रो. सोमनाथ सचदेवा। फोटो : हरिभूमि

### सफल कार्यकाल की शुभकामनाएं दी

रोहतक। अपना कार्यभार ग्रहण करते मदवि के नवनियुक्त कुलपति प्रो. सोमनाथ सचदेवा।

महर्षि दयानन्द विश्वविद्यालय में शनिवार को नवनियुक्त कुलपति प्रो. सोमनाथ सचदेवा ने विधिवत रूप से अपने पद का कार्यभार ग्रहण कर लिया। कार्यभार ग्रहण समारोह के दौरान उनकी पत्नी डॉ. ममता सचदेवा की गरिमामयी उपस्थिति ने कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। इस मौके पर कुलसचिव डॉ. कृष्णकांत, डीन एकेडमिक अफेयर्स प्रो. एस. सी. मलिक सहित विश्वविद्यालय के अधिकारीगण उपस्थित रहे। कुलपति प्रो. सोमनाथ सचदेवा ने राज्यपाल एवं कुलाधिपति प्रो. असीम कुमार घोष एवं मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उन्हें जो दायित्व सौंपा गया है, उसे वे पूर्ण निष्ठा, पारदर्शिता और प्रतिबद्धता के साथ निभाएंगे। उन्होंने विश्वविद्यालय के समग्र विकास, शैक्षणिक उत्कृष्टता तथा शोध गतिविधियों को नई ऊंचाइयों तक ले जाने की प्रतिबद्धता दोहराई। उपस्थित अधिकारियों एवं शिक्षकों ने कुलपति प्रो. सोमनाथ सचदेवा का पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत किया तथा उनके सफल कार्यकाल की शुभकामनाएं दीं।

### बढ़ रही प्रतिस्पर्धा

कहा कि उच्च शिक्षा के क्षेत्र में प्रतिस्पर्धा निरंतर बढ़ रही है और सरकारी विश्वविद्यालयों को अपनी गुणवत्ता, अनुशासन और नवाचार क्षमता के बल पर स्वयं को सशक्त बनाना होगा। उन्होंने शिक्षकों और अधिकारियों से आह्वान किया कि वे टीम भावना के साथ कार्य करते विवि को प्रतिस्पर्धात्मक दृष्टि से सुदृढ़ बनाएं। कुलपति ने सुशासन पर बल देते प्रशासनिक प्रक्रियाओं में पारदर्शिता, जवाबदेही और समयबद्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। साथ ही वित्तीय संसाधनों के विवेकपूर्ण उपयोग और अनुशासित प्रबंधन पर विशेष ध्यान देने की बात कही। इस बैठक में कुलसचिव डॉ कृष्णकांत, डीन एकेडमिक अफेयर्स प्रो एस सी मलिक समेत विभिन्न संकायों के डीन, विभागाध्यक्ष एवं स्टैच्यूटरी अधिकारी उपस्थित रहे।

### शहीद भगत सिंह छात्र संगठन ने सौंपा ज्ञापन

रोहतक। कुलपति का पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत करते शहीद भगत सिंह छात्र संगठन के सदस्य।

रोहतक। महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय में शनिवार को शहीद भगत सिंह छात्र संगठन द्वारा नव नियुक्त कुलपति का स्वागत किया गया। संगठन के अध्यक्ष प्रदीप मोटा के नेतृत्व में छात्रों ने कुलपति कार्यालय पहुंचकर उन्हें पुष्पगुच्छ भेंट किया तथा उनके सफल कार्यकाल के लिए शुभकामनाएं दीं। इस दौरान संगठन की ओर से एक ज्ञापन भी सौंपा गया, जिसमें विश्वविद्यालय से जुड़े विभिन्न छात्र हितों के मुद्दों को प्रमुखता से उठाया गया। ज्ञापन के माध्यम से छात्र संगठन ने विश्वविद्यालय में पारदर्शी प्रशासन, शैक्षणिक माहौल को बेहतर बनाने तथा विद्यार्थियों की समस्याओं के शीघ्र समाधान की मांग की। संगठन ने आशा व्यक्त की कि नए कुलपति के नेतृत्व में विश्वविद्यालय शिक्षा, शोध एवं छात्र कल्याण के क्षेत्र में नई उपलब्धियां हासिल करेगा। संगठन ने पूर्व कुलपति के कार्यकाल में हुए कथित अनियमितताओं की निष्पक्ष जांच की मांग भी उठाई। छात्रों का कहना था कि विश्वविद्यालय में जवाबदेही और पारदर्शिता सुनिश्चित करना अत्यंत आवश्यक है, ताकि भविष्य में इस प्रकार की घटनाएं दोबारा न हों। इस अवसर पर जिला प्रधान हिमांशु, सोनू, संदीप हुड्डा, जाट कॉलेज प्रधान अंकुश मान सहित अन्य छात्र मौजूद रहे।

# स्टेट कुश्ती चैंपियनशिप में रोहतक की निधि ने पहला स्थान प्राप्त किया

## 400 खिलाड़ियों ने दिखाई प्रतिभा: लाढ़ौत के देशवाल भवन में हुई प्रतियोगिता

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

अंडर-15 स्टेट कुश्ती चैंपियनशिप में शनिवार को पहलवानों ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। यह प्रतियोगिता लाढौत में देशवाल भवन में आयोजित की गई। 33 किलोग्राम वर्ग में रोहतक की निधि ने पहला स्थान प्राप्त किया, कैथल की कंचन दूसरे स्थान पर रहीं, जबकि करनाल की वंसवी और रोहतक की सिंजल ने संयुक्त रूप से तीसरा स्थान हासिल किया। रेसलिंग हरियाणा संघ के प्रधान रमेश बोहर के निर्देशन में दो दिवसीय अंदर 15 स्टेट चैंपियनशिप का आयोजन हुआ। पहले दिन खेलों का उद्घाटन हरियाणा कुश्ती संघ के अध्यक्ष रमेश बोहर, पूर्व मेयर मनमोहन गोयल , संदीप सरपंच, चेयरमैन संजय ने किया। इसमें लगभग 400 खिलाड़ियों ने भाग लिया। यह प्रतियोगिता भारतीय कुश्ती संघ व कुश्ती हरियाणा संघ के ऑफिशल के द्वारा नियमों के अनुसार निष्पक्ष पारदर्शिता के साथ आयोजित की जा रही है। इस अवसर पर प्रधान हुकुम सिंह, करतार प्रधान, अशोक ब्लॉक समिति मेंबर, भैयापूर के सरपंच अजय व ग्रामीण उपस्थित रहे।

रोहतक। कुश्ती प्रतियोगिता में मैच शुरू करवाते हरियाणा कुश्ती संघ के अध्यक्ष रमेश बोहर, पूर्व मेयर मनमोहन गोयल , संदीप सरपंच व चेयरमैन संजय।

### ये रहे विजेता

*36 किलोग्राम वर्ग में सोनीपत की दिव्या रानी प्रथम स्थान पर रहीं, हिसार की दीक्षा ने दूसरा स्थान पाया, और गुरुग्राम की प्रियांशी व हिसार की काफी तीसरे स्थान पर रहीं। 39 किलोग्राम वर्ग में पानीपत की मिराल ने पहला स्थान, रोहतक की वंशिका दूसरे स्थान पर रहीं, और सोनीपत की हनी व काजल दोनों ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। 42 किलोग्राम वर्ग में झज्जर की समीक्षा पहले स्थान पर रहीं, जींद की वर्षा ने दूसरा स्थान हासिल किया, जबकि पलवल की शोभा और चरखी दादरी की अर्पिता तीसरे स्थान पर रहीं। लड़कों में 38 किलोग्राम वर्ग में रोहतक के जिवान सहरावत प्रथम रहे, सोनीपत के वंश गहलावत दूसरे स्थान पर, और सोनीपत के रौनक व हिसार के संस्कार तीसरे स्थान पर रहे। 41 किलोग्राम वर्ग में सोनीपत के लविश ने पहला स्थान प्राप्त किया, रोहतक के जतिन दूसरे स्थान पर रहे, और कुरुक्षेत्र के सनी फौगाट व अनुज ने तीसरा स्थान साझा किया। 44 किलोग्राम वर्ग में रोहतक के शुभम प्रथम रहे, रोहतक के ही अक्षय दूसरे स्थान पर, जबकि झज्जर के अक्षय और चरखी दादरी के रचित खारीटा तीसरे स्थान पर रहे। 48 किलोग्राम वर्ग में पानीपत के यश ने पहला स्थान जीता, भिवानी के विशाल सिंह दूसरे स्थान पर रहे, और रोहतक के मोनू व फतेहाबाद के रमन ने तीसरा स्थान प्राप्त किया।*

रोहतक। मैन ऑफ द मैच सोनू मलिक को सम्मानित करता अंपायर।

### बख्तावर सिंह क्रिकेट क्लब ने सुगनी देवी फाउंडेशन को हराया

रोहतक। गोयल विंटर कप के तहत विश्वकर्मा क्रिकेट मैदान में खेले गए मैच में बख्तावर सिंह क्रिकेट क्लब ने सुगनी देवी क्रिकेट फाउंडेशन को आठ विकेट से हराया। सोनू मलिक को मैन ऑफ द मैच और सोनू राठी को बेस्ट गेंदबाज चुना गया। पहले बल्लेबाजी करते सुगनी टीम की शुरूआत अच्छी नहीं रही और 6 रन पर पहला विकेट गंवा दिया। 34 पर दूसरा, 36 पर तीसरा विकेट गंवाने के बाद जतिन और पीयूष ने संभलकर बल्लेबाजी की, लेकिन 72 रन पर जतिन का विकेट गंवा दिया। इसके बाद कोई बल्लेबाज भी संभलकर नहीं खेल सका और 20 ओवर में आठ विकेट के नुकसान पर सुगनी की टीम 139 रन ही बना सकी।

### खेल अकादमी में चयन के लिए ट्रायल 24 को

उपायुक्त सचिन गुप्ता

रोहतक। खेल विभाग द्वारा सर छोटूराम स्टेडियम में कुश्ती खेल (लड़कियों) की आवासीय खेल अकादमी संचालित की जा रही है। अकादमी में 12 से 19 वर्ष आयुवर्ग की बालिका खिलाड़ियों का चयन ट्रायल के आधार पर 24 फरवरी को प्रातः 9 बजे सर छोटूराम स्टेडियम में किया जाएगा। उपायुक्त सचिन गुप्ता ने बताया कि कुश्ती खेल (लड़कियों) की आवासीय खेल अकादमी में मान्यता प्राप्त अंतरराष्ट्रीय एवं राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में विजेता, प्रतिभागी व राज्य व जिला स्तरीय प्रतियोगिताओं में पदक प्राप्त खिलाड़ियों का चयन किया जाएगा। तय दस्तावेजों में जन्म प्रमाण पत्र की मूल प्रति एवं फोटोप्रति, आधार कार्ड की मूल प्रति एवं फोटोप्रति, रिहायशी प्रमाण पत्र की मूल प्रति एवं फोटोप्रति, दो पासपोर्ट साइज फोटो, संबंधित शिक्षण संस्थान का मूल प्रमाण पत्र अथवा प्रवेश/निकासी प्रमाण पत्र की सत्यापित प्रति शामिल है।

# आर्य स्कूल मदीना के वार्षिक खेलों में विजडम हाउस ने पाया अव्वल स्थान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महम

आर्य वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय मदीना में वार्षिक खेलों का आयोजन किया गया। खेलों का शुभारंभ मदीना गांव की सरपंच अनिशा के पति संदीप दांगी ने किया। उन्होंने खेल मशाल प्रज्वलित कर कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ किया। नर्सरी कक्षा के नन्हे बच्चों ने फ्रॉग रेस, लेमन रेस, मटका दौड़, बोरी रेस एवं अन्य प्रतियोगिताओं में बढ़-चढ़कर भाग लिया। कक्षा 7 तक के विद्यार्थियों के लिए इंटर-हाउस प्रतियोगिताएं भी आयोजित की गईं। जिनमें प्रतिभागियों ने अनुशासन, संतुलन, धैर्य और टीम भावना का शानदार प्रदर्शन किया। कार्यक्रम का विशेष आकर्षण अभिभावकों एवं शिक्षकों के लिए आयोजित प्रतियोगिताएं रहीं। नींबू रेस, मटका दौड़ तथा पुरुष अभिभावकों की 100 मीटर दौड़ में प्रतिभागियों ने पूरे उत्साह से भाग लिया।

महम। मदीना के आर्य स्कूल में खेलों का शुभारंभ करते वार्षिक खेल समारोह के मुख्य अतिथि।

### विजेता सम्मानित

शिक्षकों व अभिभाववकों के बीच भी रस्साकसी का रोमांचक मैच हुआ। जिसमें अभिभावकों की टीम विजेता रही। सभी खेलों के परिणाम घोषित होने पर विजडम हाउस ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। जबकि इंटीग्रिटी हाउस द्वितीय स्थान पर रहा। विजेता खिलाड़ियों को पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया गया। विद्यालय के प्रधानाचार्य अशोक दांगी ने अपने प्रेरणादायी संबोधन में कहा कि खेल हमारे जीवन का अभिन्न अंग हैं। खेलों से शरीर में स्फूर्ति आती है तथा तन-मन दोनों स्वस्थ रहते हैं। स्वस्थ तन और स्वस्थ मन ही शिक्षा एवं जीवन में सफलता की आधारशिला हैं। उन्होंने विद्यार्थियों को नियमित रूप से किसी न किसी खेल गतिविधि से जुड़े रहने का संदेश दिया। कार्यक्रम के समापन पर प्रधानाचार्य ने मुख्य अतिथियों को स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया।

# एमडीयू के हिन्दी विभाग के नौ शोधार्थियों का असिस्टेंट प्रोफेसर पद पर हुआ चयन

रोहतक। महर्षि दयानन्द विश्वविद्यालय के हिन्दी विभाग के 9 शोधार्थियों का हरियाणा लोक सेवा आयोग द्वारा असिस्टेंट प्रोफेसर (हिन्दी) पद के लिए चयन किया गया है। चयनित शोधार्थियों में पूनम, पूजा, अनुपमा, देवेंद्र, पिंकी, जितेंद्र शर्मा, सोनिया, शुभम तथा शेखर शामिल हैं। हिन्दी विभागाध्यक्ष प्रो. पुष्पा, प्राध्यापिका प्रो. कृष्णा जून समेत विभाग के प्राध्यापकों ने चयनित शोधार्थियों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने कहा कि यह उपलब्धि विभाग की शैक्षणिक गुणवत्ता और शोध परंपरा की सुदृढ़ता का प्रमाण है। उन्होंने कहा कि निरंतर परिश्रम, अनुशासन और सकारात्मक दृष्टिकोण से ही ऐसी सफलता प्राप्त होती हैं।

रोहतक। चयनित शोधार्थियों के साथ हिन्दी विभागाध्यक्ष प्रो. पुष्पा व प्राध्यापिका प्रो. कृष्णा जून। फोटो : हरिभूमि

रोहतक। पत्रकारों से बातचीत करते जाट संस्था बचाओ समिति के प्रधान चंचल नांदल व अन्य पदाधिकारी। फोटो : हरिभूमि

### कार्यकारिणी को भंग करने की मांग

रोहतक। जाट भवन में आयोजित प्रेस वार्ता के दौरान जाट संस्था बचाओ समिति ने वर्तमान कार्यकारिणी पर धन के दुरुपयोग और अनियमितताओं के गंभीर आरोप लगाए हैं। समिति के अध्यक्ष एडवोकेट चंचल नांदल ने कहा कि करोड़ों की लागत से नया कार्यालय बनाया जा रहा है, जिसकी आवश्यकता नहीं है। सरकार से कार्यकारिणी को भंग करने की मांग की। समिति के अनुसार नया कार्यालय उस स्थान पर बन रहा है जहाँ पूर्व सीएम मनोहर लाल ने 'छोटू राम ऑडिटोरियम' की आधारशिला रखी थी। इसे प्रोटोकॉल का उल्लंघन बताया है। चंचल ने आरोप लगाया कि प्रधान अपने परिवार और करीबियों को नौकरियां बांट रहे हैं, जबकि जाट स्कूल के कर्मियों को 16 माह से वेतन नहीं मिला है। अवसर पर कृष्ण पहलवान, रणवीर नांदल, महेंद्र गुलिया और कविता मलिक सहित कई सदस्य मौजूद रहे।

रोहतक। एनएसएस शिविर में स्वयंसेवकों के साथ प्राचार्य डॉ. फूल सिंह,प्रो. संजय गुप्ता,डॉ. रविकांत व अन्य प्रोफेसर। फोटो : हरिभूमि

### स्वयंसेवकों को समाजसेवा के लिए प्रेरित किया

रोहतक। वैश्य महाविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) की दोनों इकाइयों द्वारा आयोजित सात दिवसीय विशेष शिविर का शुभारंभ अत्यंत गरिमामय वातावरण में किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. फूल सिंह द्वारा दीप प्रज्वलन कर की गई। इसके पश्चात एनएसएस स्वयंसेवकों ने एनएसएस गीत एवं वंदे मातरम् का सस्वर गायन कर कार्यक्रम को राष्ट्रभावना से सराबोर कर दिया। मुख्य अतिथि डॉ. शमशेर सिंह हुड्डा रहे। इस अवसर पर डॉ. रविकांत ने राष्ट्रीय सेवा योजना के उद्देश्यों एवं सामाजिक महत्व पर विस्तार से प्रकाश डालते स्वयंसेवकों को समाजसेवा के लिए प्रेरित किया तथा एक जिम्मेदार स्वयंसेवक की भूमिका को स्पष्ट किया। डॉ. फूल सिंह ने कहा कि एनएसएस युवाओं में सेवा, समर्पण और सामाजिक दायित्व की भावना विकसित करता है।

# अब देश का विरोध करने लगी कांग्रेस : मनीष ग्रोवर

■ कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने जो किया, वह बहुत शर्मनाक

हरिभूमि न्यूज ▶▶|रोहतक

भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता और हरियाणा के पूर्व सहकारिता मंत्री मनीष कुमार ग्रोवर ने कहा है कि दिल्ली में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस जैसे भविष्य की तकनीक पर हो रही सकारात्मक समिट से कांग्रेस घबरा गई है। जब देश तकनीकी क्रांति की ओर बढ़ रहा है, तब कांग्रेस के कार्यकर्ता सड़कों पर उतरकर केवल भ्रम फैलाने का काम कर रहे हैं। अब कांग्रेस देश का विरोध करने लगी है, क्योंकि यह समिट देश कर रहा है। यह भारतीय जनता पार्टी का कोई राजनीतिक कार्यक्रम नहीं है। पूर्व मंत्री ग्रोवर शहीद मदन लाल ढींगरा सामुदायिक केंद्र, ओल्ड आईटीआई मैदान पर आयोजित टोडलर प्लेनेट स्कूल के वार्षिक समारोह में शिरकत करने पहुंचे थे।

रोहतक। आयोजित कार्यक्रम को सम्बोधित करते पूर्व सहकारिता मंत्री मनीष कुमार ग्रोवर। फोटो : हरिभूमि

### प्रदर्शन दुर्भाग्यपूर्ण

पूर्व मंत्री ग्रोवर ने कहा कि जब देश तकनीकी रूप से आत्मनिर्भर और वैश्विक नेतृत्व की दिशा में आगे बढ़ने की दिशा में प्रोग्राम हो रहा हो, ऐसे समय में कांग्रेस कार्यकर्ताओं द्वारा किया प्रदर्शन दुर्भाग्यपूर्ण है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस केवल एक तकनीक नहीं, बल्कि शिक्षा, स्वास्थ्य, सुरक्षा, कृषि और रोजगार के नए अवसरों का माध्यम है। कहा कि करीब 60 साल देश पर शासन करने वाली कांग्रेस मजबूत नेतृत्व और दूरदर्शी सोच के साथ काम करती तो आज देश में समस्याओं का अंबार नहीं होता। ग्रोवर ने कहा कि कांग्रेस को इस पूरी घटना पर देश से माफी मांगनी चाहिए। मार्केट कमेटी के चैयरमेन अशोक चौधरी, प्रिंसिपल रोजी खनेजा आदि मौजूद रहे।

रोहतक। आयोजित कार्यक्रम को सम्बोधित करते मुख्य वक्ताअंकित सैनी। फोटो : हरिभूमि

### एमडीयू के इमसार में निर्यात एवं वैश्विक व्यापार पर संगोष्ठी

रोहतक। महर्षि दयानंद यूनिवर्सिटी के प्रबंधन अध्ययन एवं अनुसंधान संस्थान (इमसार) के प्रशिक्षण एवं प्लेसमेंट प्रकोष्ठ द्वारा निर्यात एवं वैश्विक व्यापार विषय पर एक प्रभावी एवं ज्ञानवर्धक संगोष्ठी का आयोजन किया । अंकित सैनी ने बतौर मुख्य वक्ता के रूप में इस कार्यक्रम में शिरकत की। इमसार निदेशक प्रो. प्रदीप ने उनका स्वागत किया। अंकित ने निर्यात उद्योग की संपूर्ण कार्यप्रणाली-अंतरराष्ट्रीय व्यापार प्रक्रिया, प्रलेखन, भुगतान तंत्र व जोखिम प्रबंधन को सरल और व्यावहारिक उदाहरणों के माध्यम से स्पष्ट किया। कहा कि निर्यात देश की आर्थिक मजबूती, विदेशी मुद्रा अर्जन और व्यापार घाटे को कम करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। भारत के प्रमुख औद्योगिक केंद्रों का उल्लेख करते हुए विद्यार्थियों को वैश्विक प्रतिस्पर्धा के लिए गुणवत्ता, नवाचार और समयबद्धता को अपनाने का संदेश दिया।

**बैठक ▶▶** त्वरित शिकायत निवारण व्यवस्था से रैंकिंग में उल्लेखनीय सुधार संभव

## एजेंसियों को सख्त निर्देश लापरवाही पर होगी कार्रवाई

# प्लास्टिक कचरे के नियंत्रण के लिए विशेष अभियान चलाएगा निगम

हरिभूमि न्यूज ▶▶|रोहतक

स्वच्छ सर्वेक्षण 2025-26 में बेहतर रैंक प्राप्त करने के उद्देश्य से नगर निगम के अधिकारियों और कर्मचारियों के लिए विशेष कार्यशाला का आयोजन किया गया। गुरुग्राम में निदेशालय द्वारा आयोजित इस कार्यशाला में स्वच्छता व्यवस्था को अधिक प्रभावी बनाने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश और सर्वोत्तम कार्यप्रणालियों की विस्तृत जानकारी दी गई। वहीं अब निगम प्लास्टिक कचरे के नियंत्रण को लेकर विशेष अभियान चलाने जा रहा है। कार्यशाला में बताया गया कि नियमित एवं गुणवत्तापूर्ण सफाई, वैज्ञानिक कचरा प्रबंधन, जनभागीदारी, मजबूत फीडबैक सिस्टम और त्वरित शिकायत निवारण व्यवस्था से रैंकिंग में उल्लेखनीय सुधार संभव है। अधिकारियों को डोर-टू-डोर कचरा संग्रहण को सुदृढ़ करने, गीले और सूखे कचरे का पृथक्करण सुनिश्चित कराने, सार्वजनिक स्थलों की स्वच्छता बनाए रखने तथा प्लास्टिक कचरे पर नियंत्रण के लिए विशेष अभियान चलाने के निर्देश दिए गए। साथ ही आईईसी गतिविधियों को और प्रभावी बनाने पर भी जोर दिया। निगम आयुक्त डॉ. आनंद कुमार शर्मा ने कहा कि कार्यशाला से अधिकारियों और कर्मचारियों को यह स्पष्ट दिशा मिली है कि किन बिंदुओं पर अधिक ध्यान देने की आवश्यकता है।

रोहतक। कार्यशाला में अधिकारियों और कर्मचारियों को सम्बोधित करते नगर निगम आयुक्त डॉ. आनंद कुमार शर्मा। फोटो : हरिभूमि

### समयबद्ध तरीके से सफाई के निर्देश

आयुक्त ने सफाई कार्य कर रही एजेंसियों के साथ बैठक कर निर्देश दिए कि प्रतिदिन सड़कों, नालियों और सार्वजनिक स्थलों की सफाई समयबद्ध तरीके से हो। कूड़े का नियमित उठान सुनिश्चित किया जाए और किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। कहा कि कर्मचारी निर्धारित समय पर उपस्थित रहें और अपने कार्यक्षेत्र में प्रभावी सफाई व्यवस्था बनाए रखें। नगर निगम अधिकारियों द्वारा नियमित निरीक्षण किया जाएगा। यदि किसी एजेंसी द्वारा कार्य में कोताही पाई गई तो नियमानुसार सख्त कार्रवाई की जाएगी। निगम का लक्ष्य सामूहिक प्रयासों से शहर को स्वच्छ, सुंदर और स्वस्थ वातावरण प्रदान करते स्वच्छ सर्वेक्षण 2025-26 में सर्वोच्च स्थान हासिल करना है।

### केवीएम स्कूल के विद्यार्थियों का जेईई मेंस में उत्कृष्ट प्रदर्शन

रोहतक। केवीएम पब्लिक स्कूल के विद्यार्थियों ने जेईई मेंस में शानदार सफलता हासिल कर विद्यालय का नाम गौरवान्वित किया है। स्कूल के तीन छात्रों ने परीक्षा उत्तीर्ण कर उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। प्रतीक ने 99.1 पर्सेंटाइल प्राप्त कर विद्यालय में सर्वश्रेष्ठ स्थान हासिल किया, जबकि अंशु चहल ने 98.3 पर्सेंटाइल अंक अर्जित कर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया। अन्य छात्र ने भी उल्लेखनीय सफलता प्राप्त कर स्कूल की उपलब्धियों में महत्वपूर्ण योगदान दिया। इस उपलब्धि पर विद्यालय में खुशी का माहौल रहा। स्कूल की प्रधानाचार्या डॉ. मीना कौशिक ने विद्यार्थियों को मिठाई खिलाकर बधाई दी और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने कहा कि यह सफलता विद्यार्थियों की कड़ी मेहनत, शिक्षकों के मार्गदर्शन और अभिभावकों के सहयोग का परिणाम है।

## शहर में आज

- वैश्य कॉलेज में एनएसएस शिविर सुबह 10 बजे।
- आदर्श स्कूल मदीना में स्वास्थ्य जांच शिविर दोपहर एक बजे।
- आंबेडकर चौक पर रक्तदान शिविर सुबह 10 बजे।
- पुरी धाम में भगत माल कथा का दूसर दिन सुबह 10 बजे।

## खबर संक्षेप

### नशीले पदार्थ के साथ युवक को पकड़ा

**रोहतक।** एएनसी स्टाफ की टीम ने नशीले पदार्थ तस्करी के मामले में एक युवक को गिरफ्तार किया है। आरोपी के पास से 177 ग्राम चरस बरामद की गई है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर कार्यवाही की और उसे अदालत में पेश किया। मामले की गहनता से जांच की जा रही है। प्रभारी एएनसी स्टाफ पीएसआई मनोज कुमार ने बताया कि स.उप.नि. अनिल के नेतृत्व में टीम चुलियाणा मोड़, एनएच-9 के पास, गांव खरावड़ के पास गश्त कर रही थी। गश्त के दौरान सूचना मिली कि डीघल निवासी युवक नशीले पदार्थ की बिक्री के इरादे से खरावड़ स्थित किसी ढाबे के पास खड़ा है। सूचना के आधार पर टीम ने दबोच लिया।

### घर से लाखों की नकदी और आभूषण चोरी

**रोहतक।** जिले के गांव काहनौर में एक मकान से नकदी और सोने-चांदी के आभूषण चोरी होने का मामला सामने आया है। घटना उस समय हुई जब घर के सदस्य कीर्तन में गए हुए थे और घर पर कोई नहीं था। चोरी की सूचना मिलते ही पुलिस ने तुरंत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी। गांव काहनौर निवासी सुनील ने बताया कि उनकी कपड़ों की दुकान है और वह उस समय दुकान पर थे, जबकि उनकी मां घर पर थीं। जब मां कीर्तन से लौटीं, तो उन्होंने घर से चोरी करते हुए गांव के ही व्यक्ति रणजीत को भागते देखा।

### मठ में दो माह बाद 1000 बेड के अस्पताल का होगा भूमि पूजनः महंत बालकनाथ योगी

# श्री बाबा मस्तनाथ मठ पर तीन दिवसीय सालाना मेला कल से, सभी तैयारियां पूरी

#### मेले की शुरुआत बाबा मस्तनाथ की शिक्षाओं-सेवा, संयम, साधना के साथ की जाएगी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

रोहतक। पत्रकारों से बातचीत करते महंत बालकनाथ योगी ।

नाथ महाराज की पावन स्मृति में 18वीं सदी से चली आ रही परंपरा के तहत अस्थल बोहर स्थित श्री बाबा मस्तनाथ मठ में 23, 24 और 25 फरवरी 2026 को तीन दिवसीय सालाना मेले का आयोजन किया जाएगा। यह मेला सप्तमी, अष्टमी और नवमी तिथि को क्रमश सोमवार, मंगलवार और बुधवार को आयोजित होगा। वहीं मस्तनाथ मठ में दो माह बाद ही एक हजार बैड के नए अस्पताल का भूमि पूजन भी किया जाएगा। महंत बालकनाथ योगी (गद्दीनशीन महंत, मठ अस्थल बोहर-रोहतक) ने बताया कि यह मेला कई दशकों से निरंतर भरता आ रहा है और क्षेत्र की प्रमुख धार्मिक परंपराओं में शामिल है। बाबा मस्तनाथ की समाधि स्थल पर दूर-दूर से श्रद्धालु मत्था टेकने पहुंचते हैं। मान्यता है कि यहां सच्चे मन से की गई प्रार्थना अवश्य पूर्ण होती है। इसी आस्था के कारण हर वर्ष हजारों भक्त मेले में शामिल होते हैं। मेले की शुरुआत बाबा मस्तनाथ की शिक्षाओं-सेवा, संयम, साधना और लोककल्याण-को जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से की गई थी। समय के साथ यह आयोजन धार्मिक कार्यक्रमों के साथ-साथ सामाजिक और खेल गतिविधियों का भी केंद्र बन गया है। देश के विभिन्न राज्यों से संत, महंत और श्रद्धालु बाबा की समाधि के दर्शन के लिए पहुंचेंगे। परंपरा के अनुसार श्रद्धालु गुड़ भेली और काला कंबल अर्पित कर परिवार की सुख-समृद्धि की कामना करते हैं।

#### 24 फरवरी को सर्कल कबड्डी प्रतियोगिता

23 फरवरी को प्रातःकाल विशेष पूजा-अर्चना, हवन और संत-महात्माओं के सान्निध्य में धार्मिक अनुष्ठान होंगे। दिनभर भजन-कीर्तन से वातावरण भक्तिमय रहेगा। 24 फरवरी को सर्कल कबड्डी प्रतियोगिता आयोजित की जाएगी, जिसमें विभिन्न राज्यों की टीमें भाग लेंगी। प्रथम स्थान प्राप्त करने वाली टीम को एक लाख रुपये तथा द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाली टीम को 71 हजार रुपये का पुरस्कार दिया जाएगा। सर्वश्रेष्ठ रेडर और सर्वश्रेष्ठ कैचर को 31-31 हजार रुपये का विशेष पुरस्कार प्रदान किया जाएगा।

#### 25 फरवरी को विशाल इनामी कुश्ती दंगल

25 फरवरी को विशाल इनामी कुश्ती दंगल मेले का प्रमुख आकर्षण रहेगा। दंगल में नामी पहलवान भाग लेंगे। प्रथम पुरस्कार 1 लाख 51 हजार रुपये, द्वितीय 1 लाख रुपये, तृतीय 51 हजार रुपये और चतुर्थ 31 हजार रुपये रखा गया है। महंत बालकनाथ योगी ने बताया कि मठ शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में भी अहम योगदान दे रहा है। मठ द्वारा स्थापित बाबा मस्तनाथ विश्वविद्यालय तथा विद्यालयों में हजारों विद्यार्थी अध्ययनरत हैं, जबकि धर्मार्थ अस्पताल क्षेत्रवासियों को स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध करा रहा है। उन्होंने श्रद्धालुओं से परिवार सहित मेले में पहुंचने का आह्वान किया।

## न्यूज डायरी

### नाद दीक्षा समारोह में 30 साधकों ने ली दीक्षा

**रोहतक।** समर्थगुरु सिद्धार्थ औलिया की दिव्य उपस्थिति में ऋषिकेश में आयोजित एक आध्यात्मिक समारोह के दौरान 30 साधकों को नाद दीक्षा प्रदान की गई। दीक्षा ग्रहण करने के साथ ही सभी साधक समर्थगुरुधारा के नए सदस्य बने। रोहतक समर्थगुरुधारा संघ के कई सदस्य इस उत्सव के गवाह बने।इस अवसर पर आध्यात्मिक वातावरण अत्यंत भावपूर्ण एवं उत्साहपूर्ण रहा। समारोह में उपस्थित आचार्यों ने कहा कि दीक्षा केवल एक संस्कार नहीं, बल्कि आत्मिक जागरण और नई जीवन यात्रा की शुरुआत है। सहज योग का मूल आधार ओंकार है। इसके साथ जीवन में एक नए बसंत की शुरुआत हुई है। इस अवसर पर आचार्य कुलदीप, दलशेर, ध्यान रवि, राजू उझानिया, योगेश सोनीपत सहित अनेक वरिष्ठ साधक उपस्थित रहे। सभी ने नवदीक्षित साधकों को शुभकामनाएँ दीं और उनके उज्ज्वल आध्यात्मिक भविष्य की कामना की।

### पठानिया स्कूल में कहानी वाचन में छाए विद्यार्थी

**रोहतक।** पठानिया पब्लिक स्कूल के कक्षा केजी के विद्यार्थियों के लिए 21 फरवरी को कहानी वाचन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। यह प्रतियोगिता हरलीन गाबा, नीरज खट्टर, वीना सहगल और ऋतु वाधवा के निर्देशन में संपन्न हुई। प्रतियोगिता का उद्देश्य बच्चों में आत्मविश्वास, भाषा कौशल, स्पष्ट उच्चारण और नैतिक मूल्यों का विकास करना था। इस प्रतियोगिता में नन्हें-मुन्ने बच्चों ने अपनी रोचक और प्रेरक कहानियों के माध्यम से सभी का मन मोह लिया। बच्चों ने मंच पर भाव-भंगिमा, स्पष्ट उच्चारण और आत्मविश्वास के साथ अपनी प्रस्तुतियाँ दीं। निर्णायक मंडल की भूमिका श्रीमती सुमन राठी ने निभाई और उन्होंने विद्यार्थियों का मूल्यांकन प्रस्तुति शैली, स्पष्टता, आत्मविश्वास और नैतिक संदेश के आधार पर किया।

### व्यंजन प्रतियोगिता में कुसुम ने पाया अव्वल स्थान

**रोहतक।** गवर्मेंट पीजी कॉलेज ऑफ वूमेन रोहतक में होली उत्सव के उपलक्ष्य में शनिवार को को होमसाइंस विभाग द्वारा लो कॉस्ट न्यूट्रिशियस रेसिपी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में छात्राओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया और अपने स्वादिष्ट व्यंजनों से सभी को आकर्षित किया। लो कॉस्ट व्यंजन प्रतियोगिता में मीठे के वर्ग में कुसुम ने प्रथम, दीपाली ने द्वितीय और अनु व खुशी ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। नमकीन के वर्ग में प्रिया ने प्रथम, संध्या ने द्वितीय और सीमा व अंजली ने तृतीय स्थान हासिल किया। जियोग्राफी विभाग की डॉ. प्रवीण खत्री और डॉ. बिंदु ने निर्णायक मंडल की भूमिका निभाई। प्रिंसिपल डॉ. शमशेर हुड्डा ने व्यंजनों की प्रशंसा की और छात्राओं को बधाई दी। इस अवसर पर होमसाइंस विभागाध्यक्ष रीतू हुड्डा, डॉ. पंकज शर्मा और मोनिका नारंग उपस्थित रहे।

### कराटे टूर्नामेंट में रोहित ने जीता कांस्य पदक

**रोहतक।** श्री लालनाथ हिंदू महाविद्यालय के खिलाड़ियों ने विभिन्न प्रतियोगिताओं में शानदार प्रदर्शन करके महाविद्यालय का नाम रोशन किया। इस अवसर पर शारीरिक शिक्षा विभाग के विभागाध्यक्ष प्रदीप कुमार ने बताया कि महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय में आयोजित अंतर महाविद्यालय कराटे टूर्नामेंट 17 से 19 फरवरी 2026 में छात्र रोहित ने तृतीय स्थान प्राप्त कर कांस्य पदक प्राप्त किया। इसके अतिरिक्त महाविद्यालय की खो-खो टीम ने टीमकोच श्रीमती मौसम के मार्गनिर्देशन में सैनी सहशिक्षा महाविद्यालय, रोहतक में आयोजित अंतर महाविद्यालय खो-खो टूर्नामेंट (20 फरवरी) में भाग लेकर तीसरा स्थान प्राप्त किया। टीम में से अंकुश बी. ए. द्वितीय वर्ष एवं विजय बी. ए. प्रथम वर्ष में नॉर्थ जोन इंटर यूनिवर्सिटी की टीम में अपना स्थान बनाया। खिलाड़ियों की जीत पर प्राचार्य ने खिलाड़ियों का होंसला बढ़ाया और उन्हें भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर श्री वीरेंद्र दुआ, डॉ. मीनाक्षी गुगनानी, डॉ. अनिल बठला, श्रीमती मौसम, मिस ललिता हुड्डा व मोहित ने खिलाड़ियों को बधाई दी।

### सांपला में गूंजे वैदिक मंत्र, निकाली शोभायात्रा

**सांपला।** रेलवे रोड स्थित प्राचीन सनातन धर्म मंदिर में विभिन्न देवी-देवताओं की मूर्तियों की प्राण प्रतिष्ठा का पावन अनुष्ठान श्रद्धा, भक्ति और वैदिक विधि-विधान के साथ सम्पन्न हुआ। पिछले पांच दिनों से चल रहे धार्मिक अनुष्ठानों का समापन अंतिम दिन हवन-यज्ञ और विधिवत पूजा-अर्चना के साथ हुआ, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए। प्राण प्रतिष्ठा से पूर्व नगर में भव्य कलश यात्रा एवं मूर्तियों की विशाल शोभा यात्रा निकाली गई। शोभा यात्रा का शुभारंभ समाज के वरिष्ठ सदस्य रामभज जुनेजा ने खाटू श्याम का ध्वज दिखाकर किया। ढोल-नगाड़ों और भक्ति संगीत के बीच निकली यह शोभा यात्रा मंदिर परिसर से प्रारंभ होकर मार्किट कमेटी रोड, पुरानी अनाज मंडी और रेलवे रोड से होती हुई पुनः मंदिर पहुंची। मार्ग में नगरवासियों ने पुष्पवर्षा कर श्रद्धाभाव प्रकट किया।

### आरआईओ में ग्लॉकोमा पर सीएमई का आयोजन

रोहतक। अटल रीजनल इंस्टीट्यूट ऑफ ऑप्थाल्मोलॉजी (आरआईओ) के ग्लॉकोमा यूनिट ने ग्लॉकोमा पर एक कॉन्टिन्यूइंग मेडिकल एजुकेशन (सीएमई) कार्यक्रम का आयोजन किया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के तौर पर पंडित भगवत दयाल शर्मा स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ एचके अग्रवाल उपस्थित हुए। ऑर्गनाइजिंग चेयरपर्सन प्रोफेसर मनीषा राठी ने बताया कि इस अकादमिक कार्यक्रम में हरियाणा सिविल मेडिकल सर्विसेज के फैकल्टी सदस्यों, डॉक्टरों, रेजिडेंट्स और ऑप्टोमेट्रिस्ट्स ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

## जसिया के डॉ. सचिन हुड्डा ने देश में पाया 7वां स्थान

हरिभूमि न्यूज:रोहतक

■ पीजीआई चंडीगढ़ में चयन होने से जश्न का माहौल

जिले के जसिया गांव निवासी डॉ. सचिन हुड्डा ने प्रतिष्ठित संस्थान पीजीआई चंडीगढ़ में हेड एंड नेक ऑन्को सर्जरी सुपर स्पेशलिटी कोर्स में अपना चयन पक्का कर प्रदेश का मान बढ़ाया है।

डॉ. सचिन ने यह मुकाम अपनी कड़ी मेहनत के दम पर हासिल किया है। हाल ही में एम्स द्वारा आयोजित राष्ट्रीय स्तर की सुपर स्पेशलिटी प्रवेश परीक्षा में उन्होंने देशभर में 7वां रैंक प्राप्त किया। उनकी इस उपलब्धि ने न केवल उनके परिवार, बल्कि पूरे क्षेत्र को गौरवान्वित किया है। डॉ. हुड्डा वर्तमान में ईएनटी विभाग महाराजा अग्रसेन मेडिकल कॉलेज अग्रोहा में सहायक प्राध्यापक के पद पर कार्यरत हैं। इन्होंने अपनी एमबीबीएस तथा एमएस (ईएनटी) की शिक्षा पीजीआईएमएस रोहतक से प्राप्त की है। यह एक अति-विशिष्ट कोर्स है, जिसमें सिर, गले और मुंह के कैंसर के जटिल ऑपरेशनों और आधुनिक उपचार तकनीकों का गहन प्रशिक्षण दिया जाता है। डॉ. हुड्डा ने अपनी प्राथमिकता स्पष्ट करते हुए कहा मेरा मुख्य उद्देश्य कैंसर जैसी गंभीर बीमारी से जूझ रहे रोगियों को उच्च गुणवत्ता वाली और आधुनिक चिकित्सा सुविधाएं प्रदान करना है, ताकि समाज के हर वर्ग को बेहतर इलाज मिल सके। डॉ. सचिन की इस गौरवपूर्ण उपलब्धि पर उनके पैतृक गांव जसिया में खुशी की लहर है। परिवार को लगातार शुभकामना संदेश मिल रहे हैं।

## ग्रामीण खेलकूद प्रतियोगिता में युवाओं ने दिखाया दम, नशे से दूर रहने का दिया संदेश

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

जिले के गांव निगाना में फिट निगाना यूथ क्लब की ओर से शिवम मॉडल सीनियर सेकेंडरी स्कूल परिसर में ग्रामीण खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में गांव और आसपास के क्षेत्रों से बड़ी संख्या में युवाओं ने भाग लेकर अपनी खेल प्रतिभा का प्रदर्शन किया। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में भाजपा सभी प्रकोष्ठ के प्रभारी डॉ. अशोक रंगा उपस्थित रहे। जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता वरिष्ठ भाजपा नेता हरिओम मित्तल भाली ने की।

कार्यक्रम की शुरुआत खिलाड़ियों के परिचय और स्वागत के साथ हुई। मुख्य वक्ता डॉ. अशोक रंगा ने कहा कि आज के समय में खेल युवाओं के लिए बेहद जरूरी हैं। खेल न केवल शरीर को स्वस्थ रखते हैं बल्कि युवाओं में अनुशासन, आत्मविश्वास और टीम भावना भी विकसित करते हैं। उन्होंने कहा कि यदि युवा खेलों और शिक्षा पर ध्यान दें तो वे जीवन में बड़ी सफलताएं हासिल कर सकते हैं। उन्होंने युवाओं को नशे से दूर रहने की सलाह देते हुए कहा कि नशा समाज और परिवार दोनों को कमजोर करता है। नशे की लत युवा पीढ़ी के भविष्य को अंधकार में धकेल देती है, इसलिए युवाओं को चाहिए कि वे खेलों और सकारात्मक गतिविधियों के माध्यम से अपने जीवन को सही दिशा दें।

#### विजेता खिलाड़ियों को दिए पुरस्कार

प्रतियोगिता के दौरान कबड्डी, दौड़, रस्साकशी सहित कई पारंपरिक ग्रामीण खेलों का आयोजन किया गया। इन खेल प्रतियोगिताओं में युवाओं ने पूरे उत्साह के साथ भाग लिया और शानदार प्रदर्शन करते हुए दर्शकों की खूब तालियां बटोरीं। कबड्डी और दौड़ की प्रतियोगिताएं विशेष आकर्षण का केंद्र रहीं। फिट निगाना यूथ क्लब के सदस्यों ने बताया कि क्लब का उद्देश्य गांव में खेल संस्कृति को बढ़ावा देना और युवाओं को स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करना है। विजेता खिलाड़ियों को मुख्य अतिथि द्वारा पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया।

## वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता में 80 वर्षीय महिला ने जीता पुरस्कार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

न्यू हरियाणा स्कूल के प्रांगण में 21वीं वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता आयोजित हुई, जिसमें नर्सरी से प्लस टू तक के सभी विद्यार्थियों ने भाग लिया। प्रतियोगिता में रस्साकसी, जलेबी रेस, मेंढक रेस और पानी भरने वाली बोतल रेस प्रमुख आकर्षण का केंद्र रही। सभी अभिभावक बच्चों की गतिविधियों का आनंद लेते नजर आए। खेलकूद प्रतियोगिता में मुख्य अतिथि स्कूल के पूर्व छात्र मनजीत पहलवान, डॉक्टर राहुल मेहरा, डॉक्टर हमित लाकड़ा, दिल्ली पुलिस इंस्पेक्टर संदीप गोदारा और मानव रचना यूनिवर्सिटी के प्रोफेसर सुमित कादियान उपस्थित रहे। 80 वर्षीय बुजुर्ग महिला छन्नो देवी ने प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर इनाम जीतकर सबका दिल जीत लिया। अभिभावकों और बच्चों ने जोरदार तालियों से उनका हौसला बढ़ाया। मनजीत पहलवान और इंस्पेक्टर संदीप गोदारा ने अपने अनुभव साझा करते हुए कहा कि विद्यालय में लौटकर मुख्य अतिथि बनना उनके जीवन का गौरवपूर्ण क्षण है। डॉक्टर हमित लाकड़ा ने बच्चों, विशेषकर लड़कियों, को शिक्षा ग्रहण करने के लिए प्रेरित किया। विशेष अतिथि जाट कॉलेज के पूर्व खेल अधिकारी बलवान सिंह देशवाल और शिक्षा जगत के महेश सेतिया भी इस अवसर पर उपस्थित रहे। प्रतियोगिता के अंत में अध्यापकों ने म्यूजिकल चेयर और अन्य खेलों में हिस्सा लिया।

## साल की पहली राष्ट्रीय लोक अदालत 14 को

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

जिला एवं सत्र न्यायाधीश एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अध्यक्ष अजय तेवतिया ने बताया कि रोहतक एवं महम न्यायालय परिसर में 14 मार्च को वर्ष 2026 की पहली राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया जाएगा। इस लोक अदालत में विभिन्न प्रकार के मामलों का निपटारा दोनों पक्षों की आपसी सहमति से किया जाएगा। उन्होंने बताया कि राष्ट्रीय लोक अदालत का मुख्य उद्देश्य न्यायालयों में लंबित मामलों का आपसी समझौते के माध्यम से त्वरित एवं प्रभावी समाधान सुनिश्चित करना है, ताकि आमजन को सस्ता, सुलभ एवं शीघ्र न्याय मिल सके। इस राष्ट्रीय लोक अदालत में ट्रैफिक चालान, बैंक रिकवरी, मोटर वाहन दुर्घटना अधिनियम से संबंधित मामले, पारिवारिक विवाद, दीवानी एवं फौजदारी मामले, श्रम विभाग से संबंधित प्रकरण, भूमि अधिग्रहण, बिजली-पानी के बिलों से जुड़े मामले तथा राजस्व मामलों का निपटारा किया जाएगा। अजय तेवतिया ने आमजन से अपील की है कि वे 14 मार्च को आयोजित होने वाली राष्ट्रीय लोक अदालत में भाग लेकर इसका अधिक से अधिक लाभ उठाएं और अपने लंबित मामलों का आपसी समझौते के माध्यम से निपटारा करवाएं।

### डीएलएफ कॉलोनी में हिन्दू सम्मेलन आज

**रोहतक।** डीएलएफ कॉलोनी पार्क में रविवार को दोपहर 3 बजे से 5 बजे तक "सनातन हिन्दू सम्मेलन" का आयोजन किया जा रहा है। यह कार्यक्रम सनातन संस्कृति, धर्म और सामाजिक एकता का संदेश जनता तक पहुंचाने के उद्देश्य से आयोजित किया जा रहा है। आयोजकों का कहना है कि यह सम्मेलन वर्तमान समय में संगठित हिन्दू समाज की शक्ति और एकजुटता का प्रतीक बनेगा और समाज में जागरूकता व समरसता को बढ़ावा देगा। सम्मेलन में विशेष अतिथि के रूप में पूर्व मेयर मनमोहन गोयल, पूर्व मंत्री मनीष ग्रोवर और कृष्ण छाबड़ा उपस्थित रहेंगे। कार्यक्रम की व्यवस्थाओं का संचालन संरक्षक उद्योगपति एवं समाजसेवी गुलशन पाहवा, कार्यक्रम अध्यक्ष सीनियर एडवोकेट हरीश सीकरी, आयोजन समिति अध्यक्ष समाजसेवी विजय पपनेजा और कोषाध्यक्ष सेवानिवृत्त लेखाकार ओमप्रकाश करेंगे।

## स्मार्ट, सुरक्षित व पर्यावरण अनुकूल शहर बसाएंगे, सुपवा में छात्रों को किया ट्रेंड

रोहतक। आयोजित कार्यशाला को सम्बोधित करते भू-स्थानिक प्रौद्योगिकी विशेषज्ञ डॉ पवन कुमार। फोटो : हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

दादा लखमी चंद स्टेट यूनिवर्सिटी ऑफ परफॉर्मिंग एंड विजुअल आर्ट्स (डीएलसीसुपवा) में योजना और वास्तुकला विभाग (आर्किटेक्चर एंड प्लानिंग डिपार्टमेंट) में पढ़ने वाले छात्र यहां से शिक्षित होकर और अधिक स्मार्ट, सुरक्षित व पर्यावरण के अनुकूल शहर बसाने की प्लानिंग करेंगे।

इसी को ध्यान में रखते हुए उन्हें पांच दिवसीय कार्यशाला में ट्रेंड किया गया। कार्यशाला के दौरान उन्हें भू-स्थानिक प्रौद्योगिकी विशेषज्ञ डॉ पवन कुमार ने विभिन्न तकनीकी बारीकियों की जानकारी दी। 17 फरवरी को शुरू हुई कार्यशाला का शनिवार को समापन हो गया। इसमें छात्रों को आधुनिक शहरीकरण में जरूरी तकनीकी जरूरतों के बारे में बताया गया। मूलभूत अवधारणाओं से लेकर उच्च-स्तरीय तकनीकी मॉड्यूल डिजाइन के बारे में बताया गया, ताकि अत्याधुनिक व एडवांस शहरी योजनाकारों को स्किल अप बनाया जा सके। डीएलसीसुपवा के कुलगुरु डॉ अमित आर्य ने कहा कि सुपवा के शैक्षणिक पाठ्यक्रम में प्लानिंग से जुड़े इन उपकरणों का एकीकरण यह सुनिश्चित करता है कि स्नातक केवल योजनाकार ही नहीं, बल्कि स्थानिक डेटा वैज्ञानिक भी हों, जो भविष्य के सतत शहरों को डिजाइन करने में सक्षम हों। डॉ आर्य ने कहा कि उन्नत भौगोलिक उपकरणों में दक्षता प्राप्त करके, हमारे छात्र पारंपरिक ड्राफ्टिंग से आगे बढ़कर ऐसे स्थानिक डेटा विश्लेषक बन रहे हैं, जो चुनौतियों की कल्पना कर सकते हैं और एक भी ईंट रखे जाने से पहले टिकाऊ समाधान का मानचित्र तैयार कर सकते हैं।

Top-in-Town रोहतक बाजार
विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें: विज्ञापन विभाग, हरिभूमि कार्यालय, नजदीक इण्डस पब्लिक स्कूल, दिल्ली रोड, रोहतक
मो. 9996959400, 9996985800, 9996965600, 9996954600

MANSAROVER HOSPITAL
MULTI SUPER SPECIALITY HOSPITAL
NEAR PNB BANK, OPP. VIKAS NAGAR, SONIPAT ROAD, ROHTAK, HARYANA
RECEPTION: 01262-253500, 9053005599, 9254302848
REQUIRES
- BAMS 2
- RMO 2
- PRO 2
- NURSING STAFF 4
- ACCOUNTANT 1
- COMPUTER OPERATOR 2
- RECEPTION 2
- WARD BOY 4
- SWEEPER 2

जय श्री बाला जी महाराज
SHRI BALA JI INSTITUTE OF PARAMEDICAL SCIENCE
DR. S.K. SAINI Director
AUTHORIZED ADMISSION CENTRE OF SUGUNA SCHOOL OF NURSING BANGLORE
BHUVAN SCHOOL OF NURSING, DR. K.T.V. BANGLORE
पिछले 25 वर्षों से लगातार जनसेवा में कार्यरत संस्थान। सीमित सीटें। पहले आयें- पहले पायें छात्रावास सुविधा उपलब्ध
DIPLOMA IN G.N.M. (MIF)
योग्यता :- 12th किसी भी विषय में) अवधि :- 3½ वर्ष
कुल सीटें :- 60 दाखिला फीस - 25000/year
परीक्षा स्थान :- बैंगलोर
DIPLOMA IN PHARMACY
योग्यता:- 12th साईंस अवधि:- 2 वर्ष सीटें :- 60
दाखिला फीस: 25000/- year परीक्षा स्थान :- बैंगलोर
नियमित कक्षायें ऑनलाईन व ऑफलाईन दोनों मोड़ में।
5000 Rs मासिक फीस देकर निश्चित सफलता के साथ कोर्स पूरा करें। आज ही अपने प्रमाण-पत्रों के साथ आकर मिलें।
DR. S.K. SAINI (Director)
9254233221
रोहतक:- 41/29, चाणक्य पुरी, शीला सिनेमा के पीछे
बहादुरगढ़ :- पिल्लर नं. 851 के सामने, पुराना बराही रोड पर।
सोनीपत :- HDFC बैंक के सामने, छोटू राम चौक।

**हंगामेदार रही मीटिंग : 16 शिकायतों में से 14 का मौके पर ही निपटारा**

ग्रीवेंस मीटिंग में भिड़े विधायक बत्रा व भाजपा कार्यकर्ता

# सरकार लोगों को मूलभूत सुविधा दे रही : मंत्री पंवार

## विधायक ने निगम के काम को बताया जीरो

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रोहतक

जिला विकास भवन स्थित डीआरडीए सभागार में शनिवार को हुई ग्रीवेंस कमेटी की बैठक हंगामेदार रही। मीटिंग की अध्यक्षता पंचायत मंत्री कृष्ण लाल पंवार ने की। उन्होंने कहा कि सरकार नागरिकों को बिजली, पानी व सड़क की मूलभूत सुविधा उपलब्ध करवाने के लिए कृतसंकल्प है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिये कि वे नागरिकों की हर समस्या का शीघ्र उचित समाधान करें ताकि उनका सरकार में विश्वास प्रबल हो। वे स्थानीय जिला विकास भवन स्थित डीआरडीए सभागार में जिला लोक संपर्क एवं परिवेदना समिति की मासिक बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। इस दौरान भाजपा के राज्यसभा सांसद रामचंद्र जांगड़ा, कांग्रेस विधायक भारत भूषण बतरा, शकुंतला खटक व बलराम दांगी सहित मेयर रामअवतार वाल्मीकि मौजूद रहे। ग्रीवेंस की मीटिंग में 16 एजेंडे रखे गए, जिनमें से 14 एजेंडों का मौके पर ही समाधान किया गया। इसके साथ ही 2 एजेंडों को अगली मीटिंग के लिए पेंडिंग रखे गए हैं। इस दौरान कांग्रेस विधायक और भाजपा कार्यकर्ताओं में विवाद भी हुआ। कांग्रेस और भाजपा नेताओं के एक मंच पर होने के कारण अक्सर ऐसी बहसबाजी देखने को मिलती रही है।

### कैबिनेट मंत्री ने इन मामलों में की सुनवाई, दिए सख्त दिशा-निर्देश

विकास एवं पंचायत मंत्री कृष्ण लाल पंवार ने पंडित भगवत दयाल शर्मा स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय के चिकित्सा अधिकारी से कहा कि वे वार्ड 14 व 17 में व्यवस्थाओं को बेहतर करें तथा नागरिकों को स्वास्थ्य सुविधाओं का अविलंब लाभ दें। उन्होंने सिविल सर्जन को निर्देश देते हुए कहा कि वे बालंद पीएचसी में गर्भवती महिला को अटेंड करने में कोताही बरतने वाले अधिकारी को कारणबताओ नोटिस जारी करें। उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा खेत खलियानों के तीन व चार करम के रास्तों को पक्का करने के लिए हर विधायक को प्रतिवर्ष 25 किलोमीटर सडक़ आबंटित की गई है।

### एफआईआर दर्ज करे पुलिस

मंत्री कृष्ण लाल पंवार ने गोहाना निवासी लव मलिक की धोखाधड़ी से संबंधित शिकायत की सुनवाई करते हुए कहा कि आरोपित व्यक्तियों के विरुद्ध पुलिस द्वारा एफआईआर दर्ज कर आवश्यक कार्यवाही की जाए। उन्होंने स्थानीय बाबा मस्तनाथ नगर निवासियों की शिकायत की सुनवाई करते हुए उत्तर हरियाणा बिजली वितरण निगम के अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे सरकार द्वारा नियमित की गई कॉलोनी का हवाला देकर विभाग को दोबारा पत्र भेजा जाए। उन्होंने खेड़ी सांपला निवासी पूनम की शिकायत के संदर्भ में उत्तर हरियाणा बिजली वितरण निगम के अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे शिकायतकर्ता के बकाया बिजली बिल पर सरचार्ज न लगाए तथा विशेष केस बनाकर 10 किश्तों में लंबित राशि का भुगतान करवाए। कैबिनेट मंत्री ने गांधी नगर निवासी राजरानी की शिकायत के संदर्भ में पुलिस अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे आरोपी महिला को पीड़ित परिजनों के समक्ष बुलवाकर पूछताछ की जाए।

### ये रहे मौजूद

राज्यसभा सांसद रामचंद्र जांगड़ा, स्थानीय विधायक भारत भूषण बत्तरा, कलानौर की विधायक शकुंतला खटक, महम के विधायक बलराम दांगी ने विधानसभा से संबंधित समस्याएं रखी। बैठक में मेयर रामअवतार वाल्मीकि, उपायुक्त सचिन गुप्ता, नगर निगम आयुक्त डॉ. आनंद कुमार शर्मा, पुलिस अधीक्षक सुरेंद्र सिंह भौरिया, अतिरिक्त उपायुक्त नरेंद्र कुमार, प्रादेशिक परिवहन प्राधिकरण के सचिव वीरेंद्र सिंह ढुल, उपमंडलाधीश आशीष कुमार एवं विपिन कुमार, रोहतक व महम सहकारी चीनी मिलों के प्रबंध निदेशक श्वेता सुहाग व मुकुंद तंवर, नगर निगम की संयुक्त आयुक्त नमिता सिंह, जनस्वास्थ्य विभाग के अधीक्षक अभियंता शिवराज, उत्तर हरियाणा बिजली वितरण निगम के अधीक्षक अभियंता बिजेंद्र नरवाल, जिला राजस्व अधिकारी प्रमोद चहल, जिला विकास एवं पंचायत अधिकारी राजपाल चहल, सिविल सर्जन डॉ. रमेश चंद्र, पीजीआई के चिकित्सा अधीक्षक डॉ. कुंदन मित्तल सहित संबंधित विभागों के उच्चाधिकारी, समिति के मनोनीत सदस्यगण, सांपला मार्केट कमेटी के चेयरमैन उदयभान मलिक, अनीता बुधवार, कुलविंद्र सिक्का मौजूद रहे।

### कलानौर के गांवों में पालिका का काम जीरो

मीटिंग में कलानौर हलके के गांवों में नगर पालिका द्वारा किए गए कार्यों को लेकर जब सवाल किया गया तो विधायक कलानौर शकुंतला खटक ने कागज पर पेन से जीरो बनाकर कैबिनेट मंत्री कृष्ण पंवार को दिखाते हुए कहा कि कलानौर के गांवों में पालिका का काम जीरो है। इससे लोगों को काफी परेशानी उठानी पड़ रही है। विधायक शकुंतला खटक ने ग्रीवेंस की मीटिंग में कहा कि सीएचसी की सरप्राइज विजिट की थी। वहां एक गर्भवती महिला तड़प रही थी, जिसे देखने वाला कोई डॉक्टर नहीं था। उन्होंने बताया कि सीएमओ को फोन पर दिखाया भी था। ऐसे में कैसे व्यवस्था में सुधार होगा।

### इनके बीच भी बहस

मीटिंग में राज्यसभा सांसद रामचंद्र जांगड़ा व कलानौर विधायक शकुंतला खटक के बीच भी एक मुद्दे को लेकर बहस हो गई। रामचंद्र जांगड़ा कुछ बोल रहे थे, इसी दौरान विधायक शकुंतला खटक ने उन्हें बीच में ही टोक दिया और दोनों के बीच बहस होने लगी।

*15 दिन में हटवाना होगा अवैध कब्जा:* मंत्री कृष्ण लाल पंवार ने हसनगढ निवासी सुबे सिंह की पंचायत भूमि पर अवैध कब्जे बारे शिकायत की सुनवाई करते हुए विकास एवं पंचायत विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे 15 दिन में अवैध कब्जा हटवाए। उन्होंने रामअवतार की शिकायत की सुनवाई करते हुए अतिरिक्त उपायुक्त, नगर निगम के संयुक्त आयुक्त, जिला नगर योजनाकार, जिला राजस्व अधिकारी की समिति गठित कर एक माह में सार्वजनिक गली पर अवैध कब्जे की जांच रिपोर्ट प्रस्तुत करने को कहा। उन्होंने नगर निगम व जिला प्रशासन के अधिकारियों से कहा कि संत कबीर धर्मशाला के कार्य को पूर्ण करवाए।

### महम विधायक बलराम दांगी के साथ भाजपा कार्यकर्ता की बहस

ग्रीवेंस कमेटी के सदस्य ने जब किलोई हलके में 2 कोरम सड़क की बात कही तो मंत्री ने जवाब दिया कि अपने हलके के विधायक को लिखकर दो। कमेटी के सदस्य व भाजपा कार्यकर्ता ने कहा कि हलके के विधायक भूपेंद्र सिंह हुड्डा तो कभी आते ही नहीं। उनके बूथ से वह हारे थे तो वह काम क्यों करवाएंगे। इस दौरान ग्रीवेंस कमेटी के एक सदस्य ने कहा कि भूपेंद्र सिंह हुड्डा के तो लापता होने के पोस्टर लगवाने पड़ेंगे। इस पर प्रतिक्रिया करते हुए महम विधायक बलराम दांगी ने कहा कि ऐसा क्यों बोल रहे हो। कभी भूपेंद्र सिंह हुड्डा से मिलने की कोशिश भी की है। पहले मिलो, उसके बाद कुछ बोलो। इसी बात पर दोनों पक्षों में बहस होती रही।




### बोहर में सनातन हिन्दू सम्मेलन आज

**रोहतक।** बोहर गांव स्थित सोनीपत रोड बाबा रमेश नाथ मंदिर में 22 फरवरी 2026, रविवार को सुबह 10 बजे से 12 बजे तक 'सनातन हिन्दू सम्मेलन' का भव्य आयोजन किया जा रहा है। सम्मेलन का उद्देश्य सनातन संस्कृति, धर्म एवं सामाजिक एकता के संदेश को जन-जन तक पहुंचाना तथा समाज में जागरूकता और समरसता को बढ़ावा देना है। आयोजकों के अनुसार, यह कार्यक्रम वर्तमान समय की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए संगठित हिन्दू समाज की शक्ति और एकजुटता का प्रतीक बनेगा। कार्यक्रम के संरक्षक डॉ. पवन शर्मा, डॉ .विनय नांदल, डॉ. संदीप जांगड़ा, डॉ. सुरेश नांदल संयोजक एडवोकेट सतीश कौशिक व डॉ. रूपेश श्योराण रहेंगे। आयोजकों ने बोहर, गढ़ी व बाबा मस्तनाथ नगर एवं आसपास के सभी परिवारों से सपरिवार उपस्थित होकर कार्यक्रम को सफल बनाने का आग्रह किया है। कार्यक्रम के पश्चात प्रसाद वितरण भी किया जाएगा।

### सही राम स्कूल महम में वार्षिक समारोह आज

**महम।** द रायल ग्रुप ऑफ स्कूल्स द्वारा संचालित कस्बा महम के सही राम सीनियर सेकेंडरी स्कूल में रविवार 22 फरवरी को वार्षिक समारोह आयोजित किया जाएगा। इस समारोह में चौधरी देवीलाल विश्वविद्यालय सिरसा के वाइस चांसलर डॉ. विजय कुमार बतौर मुख्य अतिथि शामिल होंगे। पीजीआईएमएस रोहतक से डॉ. सविता सिंघल और चौधरी देवीलाल विश्वविद्यालय सिरसा के रजिस्ट्रार डॉ. सुनील कुमार समारोह के विशिष्ट अतिथि होंगे। शिक्षण संस्थाओं के चेयरमैन डॉ. प्रदीप भारद्वाज ने बताया कि कार्यक्रम की अध्यक्षता हरियाणा पुलिस के डीएसपी इंडिवर शर्मा करेंगे। कार्यक्रम का शुभारंभ सुबह सवा दस बजे किया जाएगा।

हरिभूमि पहल
मेरा शहर मेरी समस्या
कन्हेली रोड

**नहर में पानी नहीं होने से बढ़ रही समस्या**

# कई कॉलोनियों में भीषण जल संकट पीने के पानी के लिए तरस रहे लोग

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रोहतक

शहर की कन्हेली रोड सहित आसपास की कई कॉलोनियों में इन दिनों भीषण जल संकट गहराता जा रहा है। नहर में पानी नहीं होने के कारण पेयजल आपूर्ति बुरी तरह प्रभावित हुई है, जिससे हजारों लोग रोजमर्रा की जरूरतों के लिए पानी को तरस रहे हैं। स्थानीय निवासियों का कहना है कि समस्या नई नहीं है, लेकिन इस बार स्थिति बेहद गंभीर हो गई है। स्थानीय लोगों का कहना है कि हर साल गर्मियों में यही स्थिति बन जाती है, लेकिन कोई दीर्घकालिक योजना नहीं बनाई जाती। कॉलोनीवासियों ने सरकार और प्रशासन से मांग की है कि जल संकट का स्थायी समाधान किया जाए ताकि उन्हें मूलभूत सुविधा के लिए संघर्ष न करना पड़े।

- एक समय भी पर्याप्त पानी नसीब नहीं
- बाहर से लाना पड़ रहा पानी, कई जगह खरीदकर ला रहे पेयजल

*कॉलोनीवासियों ने सरकार और प्रशासन से मांग की है कि जल संकट का स्थायी समाधान किया जाए ताकि मूलभूत सुविधाओं के लिए संघर्ष न करना पड़े।*

### बुजुर्गों और बच्चों को सबसे ज्यादा हो रही परेशानी



पिछले कई दिनों से घर में नल सूखे पड़े हैं। सुबह चार बजे उठकर दूर लगे हैंडपंप या टैंकर से पानी भरना पड़ता है। बुजुर्गों और बच्चों को सबसे ज्यादा परेशानी हो रही है। पानी की कमी के कारण खाना बनाने और साफ-सफाई तक में दिक्कत आ रही है। पानी घर में सबसे पहली जरूरत है। ऐसे में कॉलोनीवासी कहां जाएं। **-रत्नी देवी** कन्हेली रोड क्षेत्र की निवासी

### महंगे दामों पर निजी टैंकर मंगवाने पड़ रहे

नहर में पानी नहीं छोड़े जाने से सप्लाई ठप होकर गई है। प्रशासन को पहले से ही इस समस्या का अंदेशा था, लेकिन समय रहते कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया। इसलिए मजबूरन लोगों को महंगे दामों पर निजी टैंकर मंगवाने पड़ रहे हैं, जिससे आर्थिक बोझ भी बढ़ रहा है। कॉलोनी के लोग बेहद परेशान हैं। **-अजीत,** ग्रीन पार्क कॉलोनी निवासी

### नियमित रूप से नहर में पानी छोड़ा जाए

कई बार संबंधित विभाग के अधिकारियों को शिकायत दी जा चुकी है, लेकिन अब तक केवल आश्वासन ही मिले हैं। यदि जल्द स्थायी समाधान नहीं किया गया तो लोग आंदोलन करने को मजबूर होंगे। कॉलोनीवासियों ने मांग की है कि नियमित रूप से नहर में पानी छोड़ा जाए और वैकल्पिक जल स्रोत विकसित किए जाएं। ताकि पेयजल को लेकर परेशानी न हो। **-जसबीर सिंह,** कॉलोनीवासी

### गर्मी बढ़ने के साथ पानी की मांग भी बढ़ गई

गर्मी की शुरूआत होते ही पानी की मांग भी बढ़ गई है, लेकिन सप्लाई लगातार घट रही है। प्रशासन को पाइपलाइन की जांच कर लीकेज दूर करने चाहिएं और जरूरत पड़ने पर पानी के अतिरिक्त टैंकरों की व्यवस्था करनी चाहिए, ताकि लोगों को राहत मिल सके। **-पंकज,** शिवाजी कॉलोनी, निवासी

**मेरा शहर, मेरी समस्या कॉलम के जरिये आप भी रखें अपनी बात। अगर सेक्टर, गली-मोहल्ला, वार्ड, गांव और आसपास हैं समस्याओं से परेशान तो इस नंबर 9253681012 पर करें व्हाट्सएप। हम उठाएंगे आपका मुद्दा।**

# अंग्रेजी के पेपर में अनसीन पैसेज ने पसीने छुड़ाए, व्याकरण से मिली राहत

**रोहतक।** सीबीएसई 10वीं की अंग्रेजी की परीक्षा शनिवार को संपन्न हुई। करीब 8059 विद्यार्थियों ने 24 केंद्रों पर यह परीक्षा दी। परीक्षा केंद्रों से बाहर निकले छात्रों के अनुसार, पेपर में अनसीन पैसेज ने उन्हें काफी उलझाया और समय भी खराब किया, लेकिन आसान व्याकरण ने उनके चेहरे पर मुस्कान लौटा दी। शनिवार को हुई इस परीक्षा में विद्यार्थियों को 10-10 अंकों के दो अनसीन पैसेज हल करने थे। छात्रों का कहना है कि पैसेज के सवाल काफी घुमावदार थे, जिसे समझने में बहुत समय लगा। हालांकि, ग्रामर और राइटिंग सेक्शन उम्मीद से कहीं ज्यादा सरल रहा। जिन छात्रों ने व्याकरण की अच्छी तैयारी की थी, उन्हें विश्वास है कि वे इस सेक्शन की बदौलत बेहतरीन स्कोर कर पाएंगे। केंद्र से बाहर आते समय छात्र खुश नजर आए और उन्होंने कहा कि राइटिंग सेक्शन ने पेपर को संतुलित कर दिया।

**रोहतक।** परीक्षा केंद्र से बाहर आते विद्यार्थी। फोटो : हरिभूमि

### पेपर को समय पर पूरा किया

*अंग्रेजी के पेपर में कुछ मुश्किल नहीं था। हालांकि, गणित की पहली परीक्षा अंग्रेजी की अपेक्षा कठिन रही थी। पेपर को समय पर पूरा किया है। -मानव, परीक्षार्थी*

### परीक्षा बहुत अच्छी रही

*पेपर में ग्रामर और राइटिंग सेक्शन का पोर्शन काफी सरल रहा। अनसीन पैसेज में एक-दो प्रश्न मध्यम वर्ग के थे लेकिन परीक्षा बहुत अच्छी रही। -पंकज, परीक्षार्थी*

हरिभूमि रविवार भारती
haribhoomi.com
छत्तीसगढ़, दिल्ली, हरियाणा और मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित
रोहतक, रविवार 22 फरवरी 2026


कुछ साल पहले तक वर्क फ्रॉम होम के बारे में कम ही लोग जानते थे। लेकिन आज कंडीशन इससे भी एक कदम आगे बढ़कर वर्क फ्रॉम एनीवेयर तक पहुंच चुकी है। कई सर्विस सेक्टर्स ऐसे हैं, जिसमें यह वर्क मोड खूब पॉपुलर हो चुका है। इस मोड के अनेक फायदे हैं तो कुछ कमियां भी हैं। इन सबके बारे में आप जरूर जानना चाहेंगे।

## कहीं से भी काम करने की आजादी

# वर्क फ्रॉम एनीवेयर

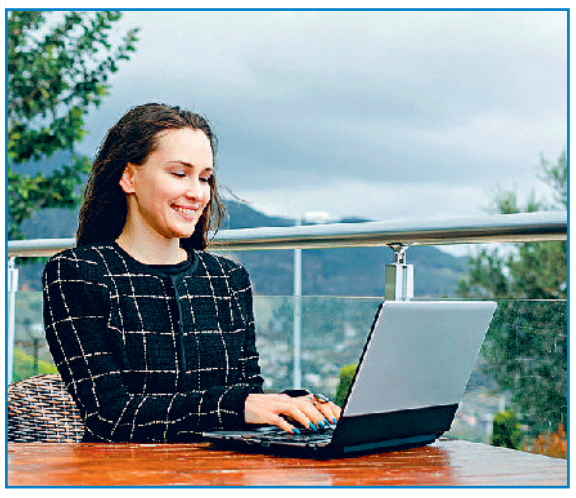

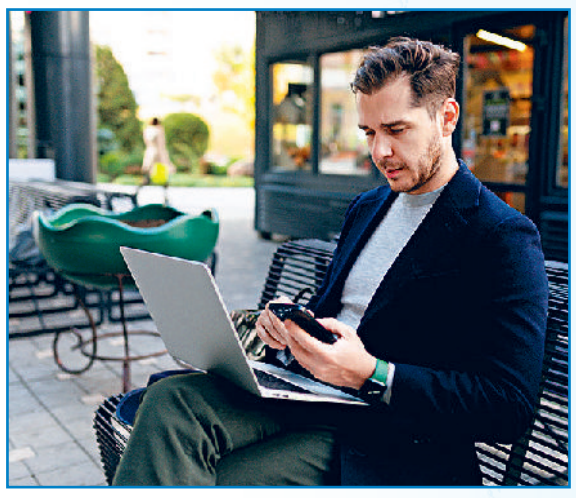

{ कवर स्टोरी / कीर्तिशेखर }

करीब पांच वर्ष पहले कोरोना महामारी ने कार्यशैली में जिस बदलाव को मजबूरी में शुरू कराया था, वह अब स्थायी जीवनशैली का विकल्प बनता जा रहा हैं। पहले सवाल था- क्या घर से काम करना संभव है? अब सवाल बदल चुका है- क्यों न कहीं से भी काम किया जाए? इसी सवाल से जन्म होता है, वर्क फ्रॉम एनीवेयर की अवधारणा का यानी, ऐसा काम जिसे करने के लिए न तो ऑफिस की दीवारें जरूरी हैं, न किसी तय शहर की सीमा, बस आपका अपना लैपटॉप हो, इंटरनेट कनेक्शन हो और थोड़ी-सी मानसिक एकाग्रता, इसके बाद कहीं पर भी आप अपना ऑफिस वर्क शुरू कर सकते हैं।

**ऐसे बदलती गई कार्यशैली:** वर्क फ्रॉम होम ने लोगों को यह सिखाया कि जरूरी नहीं कि हर काम मीटिंग रूम या ऑफिस डेस्क पर ही बैठकर किया जाए। इस अवधारणा ने यह भी बताया कि प्रोडक्टिविटी का मतलब केवल कुर्सी पर बैठना नहीं होता। आउटपुट ज्यादा मायने रखता है। इसके बाद लोगों ने महसूस किया कि अगर घर से काम करना संभव है, तो फिर इंटरनेट की बदौलत कहीं से भी काम करना संभव है। कोरोना और उसके बाद से ही लोगों ने घूमने गए हिल स्टेशनों, समुद्र किनारे या शहर से अपने गांव जाकर घर के एक कोने में बैठकर देश-विदेश की मल्टीनेशनल कंपनियों का काम करने लगे। यहीं से वर्क फ्रॉम एनीवेयर का कॉन्सेप्ट व्यवहार में उतरा।

**इसलिए चुन रहे यह तरीका:** वर्क फ्रॉम एनीवेयर का कॉन्सेप्ट पॉपुलर होने की कई वजहें हैं। महानगरों में भीड़ बहुत बढ़ती जा रही है। भारी-भरकम किराए के बाद ही किराए का मकान मिलता है, बल्कि वहां जिंदगी भी बहुत मुश्किल भरी हो जाती है। ऑफिस आने-जाने में रोज ट्रैफिक जाम से पाला पड़ता है। परिवार साथ न होने की वजह से खाने की समस्या होती है। घर और परिवार से दूर रहने के कारण हर समय मानसिक अशांति रहती है। इस तरह काम तो होता है, पर जीवन बेचैन रहता है। इसलिए युवाओं का कहना है कि अब वो जीवन के लिए काम करना चाहते हैं, काम के लिए जीवन की हायतौबा नहीं झेलना चाहते। नतीजा यह है कि नई पीढ़ी के बहुत से लोग वर्क फ्रॉम एनीवेयर का विकल्प बड़ी सहजता से चुन रहे हैं, क्योंकि यह विकल्प उन्हें भरपूर आजादी का एहसास कराता है।

**इस कॉन्सेप्ट का मेन टार्गेट:** वर्क फ्रॉम एनीवेयर के बारे में इस बात को समझना जरूरी है कि इसका मतलब डिजिटल घुमक्कड़ी नहीं है, न ही इसका मतलब है कि कहीं भी घूमते-फिरते रहें और जब मौका मिले या मन करे तो काम कर लें। अगर इस धारणा का मतलब यह हो जाएगा, तब तो काम करना प्राथमिकता नहीं रह जाएगी। प्रोफेशनल्स के लिए उनका वर्क बहुत मायने रखता है। ऐसे में इंटरनेट ने बौद्धिक काम करने वाले लोगों को यह सुविधा तो दी ही है कि अगर हिल स्टेशन पर घूमने जाएं, तो समय निकालकर वहां से भी अपना काम कर सकें। मां-बाप के पास गांव जाएं तो वहां भी साथ अपना काम लेकर जाएं और कहीं किसी जरूरी यात्रा पर निकल रहे हों तो भी अपना काम अपने साथ रख सकते हैं।

**इन फील्ड्स में है सफल यह मॉडल:** वर्क फ्रॉम एनीवेयर का कॉन्सेप्ट सर्विस सेक्टर में ही संभव है कि आप कहीं से भी अपनी विशेषज्ञता संबंधी सेवाएं अपने नियोक्ता को दे सकें। हर काम वर्क फ्रॉम एनीवेयर के ढांचे में फिट नहीं होता है। बहरहाल, जो काम इस मोड में सही से किए जा सकते हैं, वो क्षेत्र हैं- आईटी और सॉफ्टवेयर, डिजिटल मार्केटिंग, एडिटिंग, कंटेंट राइटिंग, डिजाइनिंग, ऑनलाइन टीचिंग, कस्टमर सपोर्ट-कंसल्टेंसी, एचआर असिस्टेंस और फाइनेंस एनालिसिस भी इस वर्क पैटर्न से संभव है। दूसरे शब्दों में जिन कामों में फिजिकल उपस्थिति या मशीनरी की मौजूदगी की जरूरत नहीं होती, उन क्षेत्रों में यह मॉडल तेजी से अपनाया जा रहा है।

**एंप्लॉई-एंप्लॉयर दोनों खुश:** कंपनियां इसलिए इस मॉडल को स्वीकार कर रही हैं, क्योंकि इससे उनको भी फायदा है। इससे उन्हें ऑफिस स्पेस पर खर्च नहीं करना पड़ता। ऑफिस चलाने के लिए जो एस्टेब्लिशमेंट खर्च होते हैं, उनसे भी बचाव हो जाता है और सबसे बड़ी बात तो यह है कि लोगों को भर्ती करने के लिए पूरी दुनिया का दायरा मिल जाता है। कर्मचारी भी इससे संतुष्ट रहते हैं, क्योंकि हर रोज घर से काम करने के लिए नहीं निकलना पड़ता और न ही यात्रा करने की जो परेशानियां और तनाव होती हैं, उनसे निपटना पड़ता है।

कंपनियां भी अब इस बात को समझ चुकी हैं कि अगर सहूलियतों के बीच कर्मचारी को काम करने का मौका मिलता है तो उसका परफॉर्मेंस बेहतर होता है। इसलिए वे ऐसे कर्मचारियों को रखना पसंद करती हैं। इससे कर्मचारियों को सबसे बड़ा फायदा यह होता है कि उनके रहने और दूसरी जगह पर जाकर खाने-पीने की जो भारी भरकम लागत आती है, उससे छुटकारा मिल जाता है। घर से ऑफिस तक जाने में जो समय लगता है, उससे भी मुक्ति मिल जाती है। यह बचा हुआ समय व्यक्तिगत रुचियों का आनंद लेने और आराम करने के लिए इस्तेमाल होता है। कह सकते हैं इस अवधारणा से काम कराने वाला भी खुश होता है और काम करने वाला भी खुश और दोनों को फायदा होता है।

**प्रोफेशनल्स का बचता है टाइम:** काम की इस अवधारणा का एक फायदा यह है कि लोग दिन में ऑफिस का काम करते हैं और फिर जो उनका दफ्तर तक जाने और आने का समय बचता है। उस समय का उपयोग बागवानी करने, संगीत सीखने, लेखन करने या अपने किसी शौक को पूरा करने के लिए लगाते हैं।

**मौजूद हैं कुछ चुनौतियां:** इस वर्क मोड में सबसे पहली चुनौती तो यह है कि ये काम वहीं हो सकता है, जहां इंटरनेट की सुविधा अच्छी हो, बिजली की आपूर्ति चौबीसों घंटे हो और काम करने के लिए एक सुरक्षित और एकांत जगह हो। साथ ही वहां दफ्तर जैसा माहौल बनाने की सुविधा हो। इसके अलावा सेल्फ डिसिप्लीन भी जरूरी होता है। कुछ लोग जब खुद निर्णय लेना होता है, तो कंसंट्रेट होकर काम नहीं करते। ऐसे काम करने के तरीके से कई प्रोफेशनल्स का निजी जीवन डिस्टर्ब हो जाता है। वे ऑफिस वर्क में बहुत समय देने लगते हैं। इसलिए बहुत सारे लोग शुरू-शुरू में यह फॉर्मूला अपनाते हैं, लेकिन जल्द ही ऊब कर ऑफिस आने लगते हैं। क्योंकि घर में काम करते हुए उनके वर्किंग ऑवर बहुत बढ़ जाते हैं। वर्क फ्रॉम एनीवेयर करते समय भले तनाव कम होता हो, आजादी खूब महसूस होती हो, लेकिन सामाजिक संपर्क से कट जाते हैं और अकेलेपन की आशंका से घिर जाते हैं। इसलिए कई बार कहीं से भी काम करने की सुविधा का नुकसान मानसिक रूप से बीमार होने के रूप में सामने आता है। इसलिए लोग अब हाइब्रिड मॉडल को बेहतर मान रहे हैं यानी चार दिन घर में और दो दिन दफ्तर में काम करना, सही संतुलन है। हां, महिलाओं को जरूर काम करने की इस शैली का फायदा मिलता है, क्योंकि इसके चलते उन्हें होम मेकिंग और करियर में संतुलन बनाने में मदद मिलती है। *

### वर्क फ्रॉम एनीवेयर के लिए जरूरी सुविधाएं

- घर में तेज रफ्तार इंटरनेट कनेक्शन होना जरूरी है।
- घर में लैपटॉप के साथ बैकअप पावर की सुविधा होना जरूरी है।
- घर में काम करने के लिए ऑफिस जैसे स्थान का होना जरूरी है।
- रोज सुबह अनुशासित ढंग से तैयार होकर दफ्तर की तरह काम करना जरूरी है।
- घर से काम करते समय कंप्यूटर और साइबर सिक्योरिटी का ज्ञान भी जरूरी है। अगर कंप्यूटर की बेसिक समझ नहीं है तो कभी-भी अगर लैपटॉप या वर्क स्टेशन में कोई समस्या आ गई, तो तब तक काम नहीं कर पाएंगे, जब तक घर कोई मैकेनिक आकर समस्या हल न करे।
- घर से काम करने के लिए लगातार तकनीक में भी माहिर होते रहना जरूरी है।
- घर से काम करते समय लगातार उत्साह बनाए रखना भी जरूरी है ताकि अपना नियमित रूटीन सही से पूरा कर सकें।

आज के दौर में जीवन को सुविधाजनक बनाने वाला मोबाइल बेशुमार लोगों को अपना लती भी बना रहा है। इसके दुष्प्रभावों से बचने के लिए अब लोग तरह-तरह के उपाय आजमा रहे हैं। इनके बारे में आप भी जानिए।

## मोबाइल एडिक्शन से बचने के लिए

# आजमाए जा रहे तरह-तरह के उपाय

{ टेक्नोलाइफ / लोकमित्र गौतम }

हर सुबह आंख खुलते ही मोबाइल। रात में सोते समय आखिरी नजर तक मोबाइल। दिन में बीच-बीच में सैकड़ों बार स्क्रीन चेक करना। अब ये किसी व्यक्ति विशेष की आदत नहीं बल्कि ज्यादातर लोगों की लाइफस्टाइल बन गई है। अब मोबाइल में नोटिफिकेशन देखना याद नहीं रखना पड़ता। लोगों की यह स्वतः आदत बन गई है। लेकिन इसी दौर में कुछ और भी दिलचस्प और विरोधाभासी बातें भी हो रही हैं। एक ट्रेंड बहुत तेजी से उभर रहा है और यह है मोबाइल से दूरी बनाने का। नहीं, लोग तकनीक छोड़ नहीं रहे बल्कि उसके साथ नई-नई शर्तों के तहत रिश्ता तय कर रहे हैं। कोई नोटिफिकेशन बंद कर रहा है, कोई फोन ग्रे स्केल पर डाल रहा है, कोई डंब फोन खरीद रहा है, तो कोई रविवार को मोबाइल अलमारी में बंद करके उसमें ताला लगा देता है। मोबाइल को लेकर उसके पक्ष और उसके विरोध में एक से बढ़कर एक आदतें दुनिया का ध्यान खींच रही हैं।

**क्यों छोड़ना चाहते हैं फोन:** हाल के कुछ सालों में ऐसे कई अनुभव सामने आए हैं, जिससे पता चलता है कि मोबाइल लोगों का ध्यान बहुत जल्दी भटका देता है। यह भी महसूस किया गया है कि लगातार मोबाइल का इस्तेमाल करने से अधूरेपन का एहसास बढ़ जाता है। मोबाइल की लत लग जाए, तो कब देखते ही देखते टाइम फुर्र हो जाता है, पता ही नहीं चलता। इन सबके अलावा हाल के सालों में बिना कुछ किए लोगों को एक ऐसी थकान जकड़ रही है, जो जानकारों के मुताबिक मोबाइल की देन है। ऐसे ही और भी अनेक कारण हैं, जिसके चलते अब लोग मोबाइल से अगर पूरी तरह से नहीं, तो बीच-बीच में कुछ समय तक के लिए पिंड छुड़ाना चाहते हैं। इसलिए इन दिनों लोग मोबाइल से दूर रहने के लिए तरह-तरह के उपाय आजमा रहे हैं। इनमें से कुछ के बारे में बता रहे हैं।

**नोटिफिकेशन मिनिमलिज्म:** बहुत से लोग अब सिर्फ कॉल और जरूरी एप्स के नोटिफिकेशन ही चालू रखते हैं। व्हाट्सएप ग्रुप, सोशल मीडिया लाइक और ई-मेल अलर्ट, सब कुछ लोग बंद कर रहे हैं। इस कारण फोन हाथ में लेने की अपने आप जरूरत कम रह जाती है। ऐसे उपाय अपनाने वाले लोग बताते हैं- जहां वह पहले 125 से 150 बार तक स्क्रीन अनलॉक करते थे, वहीं ऊपर बताए गए उपाय यानी नोटिफिकेशन मिनिमलिज्म के बाद अब ये संख्या घटकर 40 से 50 बार रह गई है।

**ग्रे स्केल मोड:** इसका मतलब है फोन की रंगीन स्क्रीन को ब्लैक एंड व्हाइट में बदल देना। फोन की दुनिया काली-सफेद होते ही लोगों का रील्स में आकर्षण घट जाता है और स्क्रॉल करने का मन ही नहीं रह जाता। यह एक छोटा-सा उपाय है, लेकिन इसके बेहद असरदार मनोवैज्ञानिक नतीजे हासिल होते हैं। इसके साथ ही कुछ लोग अपने फोन में डाउनलोड किए गए हर मीडिया एप के लिए दिन में 20 से 30 मिनट की लिमिट तय कर देते हैं और लिमिट खत्म होते ही यह एप अपने आप ही लॉक हो जाते हैं, जिससे इनसे मुक्ति मिल जाती है। ये उपाय शुरू में तो झुंझुलाहट पैदा करता है, मगर 3-4 दिन के बाद इसकी आदत बन जाती है।

**फोन मुक्त दिन की शुरुआत:** कुछ लोग इन दिनों सुबह जगने के बाद एक से दो घंटा तक बिल्कुल मोबाइल के पास नहीं जाते, इस दौरान उनका मोबाइल स्विच ऑफ रहता है। जब तक मोबाइल स्विच ऑफ रहता है, वे फ्रेश होते हैं, चाय पीते हैं, अखबार पढ़ते हैं, एक्सरसाइज का अपना रुटीन खत्म करते हैं या ऐसा कुछ नहीं भी करते हैं तो इस दौरान सिर्फ खिड़की या बालकनी से बाहर झांकते हैं। जो लोग ये उपाय आजमा रहे हैं, उनका अनुभव बताता है कि इससे पूरा दिन शांति महसूस होती है।

**सोशल मीडिया फास्टिंग:** कुछ लोग सोशल मीडिया फास्टिंग का उपाय भी आजमा रहे हैं। फोन से दूर रहने का यह एक और उपाय है। इसके चलते जैसे कुछ लोग धार्मिक रूप से हफ्ते में किसी एक या दो दिन उपवास रखते हैं। लगभग उसी तरह इस प्रयोग के तहत लोग हफ्ते में एक दिन या 15 दिन में एक दिन फोन से पूरी तरह से दूर रहने का उपाय आजमाते हैं।

**बेडरूम से बाहर फोन:** कुछ लोग अपने फोन को बेडरूम से बाहर रखकर सोते हैं। इस तरह फोन को बेडरूम से बाहर रखने के बहुत फायदे मिलते हैं। इससे नींद बेहतर आने लगती है। रात की स्क्रॉलिंग खत्म हो जाती है। *

### मानसिक स्वास्थ्य के लिए है जरूरी

**लोग इस** बात को भली-भांति समझने लगे हैं कि फोन के बहुत ज्यादा इस्तेमाल के कारण उनकी आंखों पर ही नहीं, ध्यान लगाने की क्षमता पर, भावनात्मक स्थिरता पर और यहां तक कि आत्मसंतोष की अनुभूति पर भी जबर्दस्त असर पड़ने लगा है। मोबाइल से दूर रहना एक तरह से खुद के पास होने जैसा है। क्योंकि जो लोग बहुत ज्यादा फोन इस्तेमाल करते हैं, उन लोगों के अनुभव बताते हैं कि वो जितना ही ज्यादा फोन में रहते हैं, उतना ही ज्यादा अकेलापन महसूस करते हैं। ऐसे में इससे दूरी बनाने की आदत मानसिक स्वास्थ्य बेहतर बनाती है।

{ गजल / हबीब कैफी }

मोहब्बत में जो लिखता है
अंधेरे में भी दिखता है

वहां कुछ फूल खिलते हैं
जहां वो पांव टिकता है

जिसे सब इश्क कहते हैं
सर-ए-बाजार बिकता है

फकत रोटी नहीं सिकती
तवे पर दिल भी सिकता है

महकता फूल लिखना था
उसी को खार लिखता है

{ व्यंग्य / महेश कुमार केशरी }

## प्रभु बचाए ऐसे पड़ोसी से

करते हैं, सांप चंदन के पेड़ से हमेशा लिपटे रहते हैं। हालांकि मैं चंदन जैसा तो बिल्कुल नहीं हूं, फिर भी न जाने क्यों आस-पड़ोस के लोग मुझसे लिपटने को आतुर रहते हैं। कुछ ऐसे ही बगल के घर में रहने वाले मेरे एक पड़ोसी भी हैं। मेरे घर आ धमकने का उनको बस बहाना चाहिए। कभी चीनी, कभी टमाटर, कभी धनिया पत्ती तो कभी मिर्च गोलकी मांगने चले आते हैं। उन पड़ोसी महाशय को जब-जब कोई जरूरत होती है, वे भुजंग की तरह मुझसे आकर चिपट जाते हैं। गोया कि मैं आदमी नहीं बल्कि चंदन का पेड़ होऊं। उनका मेरे घर आना-जाना ऐसे होता है, जैसे मेरा घर नहीं, कोई धर्मशाला हो। ऐसे पड़ोसी मुझे मिले हैं, जिनको दिन भर में मुझसे दसियों बार काम पड़ता है। 'भाई साहब! भाई साहब!' कह-कह कर वे मुझे चूना लगाते रहते हैं। कभी-कभी तो मुझे लगता है, जैसे मैंने इन पड़ोसी महाशय को गोद लिया हुआ है। और वे मेरे बच्चे सरीखे हैं। वाह रे भाई! मान-न-मान मैं तेरा मेहमान। कभी 'हम बाहर जा रहे हैं, जरा घर देखिएगा।' कभी 'जरा बाइक की चाबी दीजिएगा बच्चे को स्कूल छोड़ने जाना है।' तो कभी 'बाजार जा रहे हैं, जरा मेरा फलना-ढिमकाना सामान भी लेते आइएगा।' अगर कभी थोड़ी नाराजगी मैं जताता तो दांत निपोरते हुए बोलते, 'अब एक पड़ोसी ही तो दूसरे पड़ोसी के काम आता है!' किसी दिन आकर पूछते हैं, 'भाई आपके पास कैंची होगी?' तो किसी रोज कहते, 'भाई साहब आपके पास रस्सी तो होगी?' मन आता है कि कह दूं, 'जिस भी चीज की जरूरत पड़े, वो आपको मुझसे ही चाहिए होती है। भला मैं आपूर्ति मंत्रालय में काम तो नहीं करता कि हर चीज का जुगाड़ करके आपके लिए रखा होऊं। भाई मैंने आपका ठेका थोड़ी न लेकर रखा है।' अभी बीते दिनों उन्हीं पड़ोसी का खल चोरी हो गया। वे मुझ पर झल्लाने लगे, 'आप के भरोसे घर छोड़कर गया था, देखिए मेरा खल चोरी हो गया।' मन में आया उसी खल में उन्हें कूट दूं। कह दूं कि आपने मुझे अपना खरीदा हुआ नौकर समझ लिया है क्या, जो मैं आपकी चाकरी करूंगा।

मेरे घर आ धमकने का पड़ोसी महोदय को बस बहाना चाहिए। कभी चीनी, कभी टमाटर, कभी धनिया पत्ती तो कभी मिर्च गोलकी मांगने चले आते हैं। गोया मेरा घर नहीं, कोई धर्मशाला हो।

पता नहीं कब मेरा पिंड छूटेगा इन महाशय से! भगवान बचाए ऐसे पड़ोसी से। *

{ लघुकथा / डॉ. रंजना जायसवाल }

# डुबकी

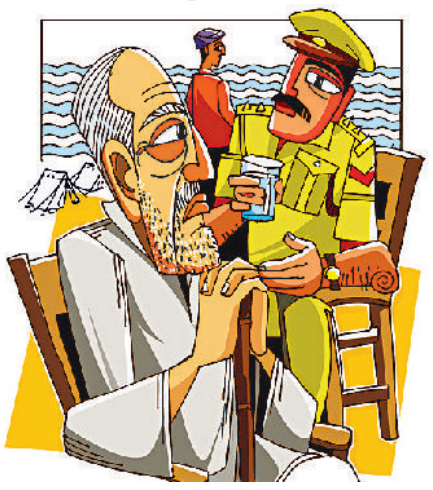

खोया-पाया कैंप में उस बूढ़े बाबा को बैठे छह घंटे हो गए थे। रात गहराती जा रही थी। अभी तक उन्हें कोई ढूंढने भी नहीं आया था। बाबा की आंखें एक आशा के साथ हर आहट के साथ दरवाजे तक जातीं, लेकिन वह निराश होते। कैंप के कर्मचारी की ड्यूटी बदलने का समय हो गया था। नए कर्मचारी ने पानी का गिलास पकड़ाते हुए बाबा से पूछा, 'आप कहां से आए हैं?'

'बेटा काफी दूर से आए हैं।'

'कुछ नाम तो होगा।'

'नाम...' बाबा ने याद करने की कोशिश की।

'किसके साथ आए हैं?'

'कलुवा, हमारा इकलौता बेटा'

'कुंभ नहाए आए थे?'

'हमार बेटवा ब्याह के दस बरस के बाद पैदा हुआ था। उसकी अम्मा मन्नत की रही, गंगा मैया को साड़ी चढ़ाएगी पर परमात्मा को कुछ और ही मंजूर था। अब जइबे तब जइबे करते-करते बख्त निकल गया। उसकी अम्मा ने मरते बख्त कसम ली थी। बचुवा के साथ मन्नत उतारे आए रहे। कुंभ नहाए लेब और मन्नत भी उतार देब।'

'बेटा कहां है बाबा?'

'हमसे बोला कुछ खाए का सामान लेने जाए रहे। इहां बैठे रहो हम अबही आत है।'

'फिर?'

'हमको बैठाकर पता नहीं कहां चला गवा? पुलिस वाले हमको इहां पहुंचा गए। बेचारा कितना परेशान हो रहा होगा।' बाबा की आंखों में अपने बेटे कलुवा के लिए चिंता उभर आई। कर्मचारी समझ चुका था, बीते कुछ दिनों में बाबा जैसे न जाने कितने लोग अपनों की तलाश और इंतजार में भटक रहे थे। 'बाबा, दस बार माइक पर कलुवा का नाम पुकारा जा चुका है। फोन नंबर याद है उसका?'

'फोन?'

'वापसी कब थी?'

'छः बजे की टरेन थी।'

'पर बाबा अब तो नौ बज रहे हैं।'

'नौ!' बाबा की आंखों के जुगनू धप्प पड़ गए।

'कलुवा आता ही होगा। हमें लिए बिना कैसे जाएगा?'

बाबा ने धीरे से बुदबुदाया। सामने गंगा मैया मंद-मंथर गति से बह रही थी। वह एक और पाप की साक्षी थी। जिसे कोई डुबकी धुल नहीं सकती थी। *

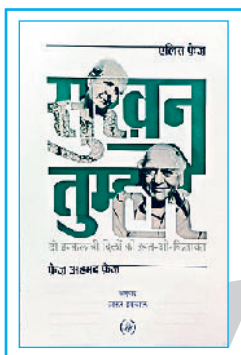

पुस्तक: सुखन तुम्हारे, लेखक: फैज अहमद फैज-एलिस फैज, अनुवाद: जफर इकबाल, मूल्य: 550 रुपए, प्रकाशक: राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

{ पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण }

## दो दिलों की खत-ओ-किताबत

गजलों-नज्मों का शायद ही कोई ऐसा कद्रदान होगा, जो फैज अहमद फैज के नाम से नावाकिफ हो। अपनी शायरी में इंकलाबी तेवर और हुकूमत की बंदिशों को चुनौती देने वाले फैज के भीतर एक नाजुक दिल पति और बेहद जज्बाती पिता भी मौजूद था, इसकी बानगी उनके द्वारा लिखे उन खतों में दिखती है, जिनको उन्होंने कैद के दौरान अपनी पत्नी और बच्चों को लिखे थे। हाल में छपकर आई किताब 'सुखन तुम्हारे' में फैज के द्वारा लिखे गए 135 खत और उनकी पत्नी एलिस के द्वारा लिखे गए 178 खतों को संकलित किया गया है। वर्ष 1951 में पाक सरकार द्वारा गैर कानूनी तौर पर गिरफ्तार किए गए फैज, करीब चार वर्ष तक जेल में रहे। इस दौरान फैज और एलिस के बीच हुई खत-ओ-किताबत का महत्व किसी ऐतिहासिक दस्तावेज से कम नहीं है। यहां गौर करने वाली बात है कि फैज की गिरफ्तारी ने उन्हें बेबस नहीं और मजबूत बना दिया था। 17 जुलाई 1952 को लिखे खत में वह कहते हैं, 'यह जख्म बहुत अचानक, बहुत बेसबब लगा है लेकिन इसे सहने का बल मुझमें है। और इसके सामने भी मेरा सिर नहीं झुकेगा।' 24 अगस्त 1954 को एलिस, फैज को लिखे खत में भीगे जज्बातों से उनकी गैरमौजूदगी को महसूस करती हैं, 'जब मीजू ने केक काटा, उसने अपना मुंह बना लिया। आंखें बंद कीं और उस चीज की दुआ मांगी, जिसके लिए हम सब मांग रहे थे- खुदा तुम्हें हमारे पास घर भेज दें।' कह सकते हैं इस किताब में एक इंकलाबी शायर और उनकी पत्नी के व्यक्तित्व का बिल्कुल नया पहलू हमारे सामने उजागर होता है। *

मध्य प्रदेश का प्राणपुर गांव

तमिलनाडु स्थित औरोविले गांव

वैसे तो पर्यटन के लिहाज से अपने भारत देश में अलग-अलग तरह के बेशुमार स्थल मौजूद हैं। लेकिन अगर आप बिल्कुल अनोखे और सुकून भरे पर्यटन स्थल घूमना चाहते हैं तो आपको कुछ विशिष्ट पर्यटन गांवों का रुख करना चाहिए। यहां बता रहे हैं देश के कुछ ऐसे खूबसूरत गांवों के बारे में, जो आपके लिए परफेक्ट ग्राम्य-पर्यटन स्थल हो सकते हैं।

# गांवों में मिलेगी सुकून की छांव

टूरिस्ट प्लेसेस / समीर चौधरी

आमतौर पर माना जाता है कि गांवों में सुविधाओं की कमी होती है। इसीलिए शहर के लोग वहां जाना पसंद नहीं करते हैं। लेकिन आपको जानकर अच्छा लगेगा कि कुछ प्रदेशों के चुने हुए गांवों को विशिष्ट पर्यटन स्थल के रूप में विकसित किया गया है। जहां आप आधुनिकता और शहरी शोर-शराबे से दूर शांत, स्वच्छ और सुकून भरा अनुभव पा सकते हैं। लद्दाख की पहाड़ियों और छत्तीसगढ़ के जंगलों से लेकर, तमिलनाडु और उत्तर प्रदेश तक में कई ऐसे गांव हैं, जो विरासत और प्रकृति को सुरक्षित रखे हुए हैं। अपनी इसी विशेषता के कारण यह उन पर्यटकों के आकर्षण का केंद्र बने हुए हैं, जिनकी ग्रामीण जीवनशैली, संस्कृति व इतिहास में दिलचस्पी होती है। ऐसे ही कुछ गांवों के बारे में जानिए।

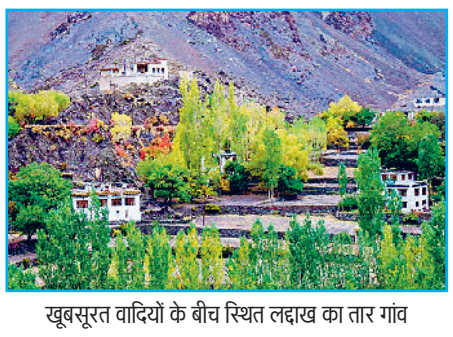
खूबसूरत वादियों के बीच स्थित लद्दाख का तार गांव

छत्तीसगढ़ के बस्तर क्षेत्र में स्थित धुडमारास गांव

**सावरवानी-लाड़पुरा खास-प्राणपुर, मध्य प्रदेश:** मध्य प्रदेश के ये तीन गांव आपको ग्रामीण भारत की सुंदर छवियों से रूबरू कराते हैं। प्राणपुर, सावरवानी व लाड़पुरा खास गांवों को वर्ष 2024 में सर्वश्रेष्ठ पर्यटन गांवों के रूप में सम्मानित किया जा चुका है। सावरवानी, आपको गोंड आदिवासी जीवन का अनुभव कराता है। यहां आरामदायक होमस्टे और सुंदर फार्मलैंड्स हैं। लाड़पुरा आपको विश्वसनीय बुंदेली एहसास से आकर्षित करता है। यहां के परंपरागत घर व हाथ से पेंट की गईं खूबसूरत दीवारें पर्यटकों को मोहित करती हैं। प्राणपुर, भारत का पहला क्राफ्ट हैंडलूम पर्यटन गांव है, जहां लगभग 900 बुनकर हैं, जो चंदेरी कपड़ा बुनने की कला में माहिर हैं। इन गांवों में आप क्राफ्ट वर्कशॉप्स, फॉरेस्ट वॉक, साइकिलिंग ट्रेल्स और सांस्कृतिक कार्यक्रमों का अनुभव कर सकते हैं।

उत्तर प्रदेश का कारिकोट गांव

ग्वालियर एयरपोर्ट से प्राणपुर 240 किमी. और लाड़पुरा खास 123 किमी. की दूरी पर है, जबकि जबलपुर से सावरवानी की दूरी 220 किमी. है।

**तार गांव, लद्दाख:** लद्दाख क्षेत्र में इस गांव को पहला सीसीए (कम्युनिटी-डिक्लेयर्ड कंजरवेशन एरिया) घोषित किया गया। लद्दाख का यह खूबसूरत गांव भी पर्यटन मंत्रालय की भारत के सर्वश्रेष्ठ पर्यटन गांव की 2024 की सूची में शामिल हो चुका है। इसके संरक्षित क्षेत्र का प्रबंधन स्थानीय समितियां करती हैं, जोकि अपने प्राकृतिक संसाधनों, संस्कृति व परंपराओं को सुरक्षित रखने की जिम्मेदारी निभाती हैं। इनके पास समुदाय की निगरानी वाला पर्यटन, शून्य-प्लास्टिक अभियान और लद्दाखी सांस्कृतिक प्रथाओं के संरक्षण का भी दायित्व है। यहां आप ऊंचाई पर ट्रैकिंग, प्राचीन मठों को देख सकते हैं और ईको-होमस्टे में ठहर सकते हैं। यहां आने के लिए निकटतम एयरपोर्ट लेह है, जहां से तार लगभग 85 किमी. के फासले पर है।

**कारिकोट गांव, उत्तर प्रदेश:** उत्तर प्रदेश के बहराइच जिले में स्थित कारिकोट गांव को इंडियन सब-कॉन्टिनेंट रेस्पॉन्सिबल टूरिज्म अवार्ड 2025 (पीस, अंडरस्टैंडिंग एंड इन्क्लूसिविटी) से सम्मानित किया जा चुका है। स्थानीय थारू आदिवासी समुदाय के प्रयासों से इस गांव में होमस्टे, क्रॉस-बॉर्डर ईको-टूरिज्म व सांस्कृतिक अनुभव को प्रोत्साहित करने के साथ ही देशज क्राफ्ट, खान-पान व लोककला को पुनर्जीवित किया गया है, जिससे यह गांव थारू विरासत का लाइव म्यूजियम बन गया है। आप यहां खासतौर से विलेज वॉक, स्थानीय खान-पान, हस्तकला ट्रेल, झील के किनारे पक्षियों को देखने के साथ ही स्थानीय कहानी सुनाने के आयोजनों का अनुभव कर सकते हैं। इससे निकटतम एयरपोर्ट लखनऊ है, जहां से यह गांव लगभग 200 किमी. दूर है।

**औरोविले गांव, तमिलनाडु-पुडुचेरी:** औरोविले गांव वैसे तो तमिलनाडु में है, लेकिन इसका कुछ हिस्सा पुडुचेरी में भी है। यह भारत में स्थित एक अंतरराष्ट्रीय टाउनशिप है, जिसे यूनेस्को द्वारा मान्यता प्राप्त है। इसकी भूमि एक जमाने में कटाव के कारण बेकार हो गई थी, लेकिन अब दशकों के वनीकरण, ईको-आर्किटेक्चर और वेस्ट-फ्री सिस्टम से फिर हरी-भरी हो गई है। यहां पर आप मैत्री मंदिर देख सकते हैं। इसके अलावा सस्टेनेबल-लिविंग वर्कशॉप, पॉटरी, वीविंग और योग सत्र में हिस्सा लेने के साथ ही 3,000 एकड़ में फिर से लगाए गए वन में साइकिलिंग का रोमांचक अनुभव ले सकते हैं। औरोविले गांव चेन्नै एयरपोर्ट से लगभग 140 किमी. और पुडुचेरी से तकरीबन 11 किमी. की दूरी पर स्थित है।

**धुडमारास गांव, छत्तीसगढ़:** छत्तीसगढ़ के बस्तर क्षेत्र में धुर्वा कबीले द्वारा संचालित यह पर्यटन गांव ईको-फ्रेंडली अनुभव प्रदान करता है, जैसे- बैंबू राफ्टिंग, कयाकिंग और ट्रैकिंग। यहां सोलर-पॉवर इंफ्रास्ट्रक्चर है। वन संरक्षण प्रयासों के कारण परंपरागत जल स्त्रोतों को दुरुस्त किया गया है और स्थानीय तौर पर निर्मित होम स्टे भी हैं। इस गांव में आदिवासी संस्कृति, परंपरागत शिल्प व साल वन ट्रेल्स का आनंद लेने के साथ ही लोक संगीत और स्थानीय खेतों से मेज तक जायकेदार भोजन का अनुभव ले सकते हैं। सतत पर्यटन विकास के लिए धुडमारास गांव का चयन यूएनडब्लूटीओ बेस्ट टूरिज्म विलेज अपग्रेड प्रोग्राम 2024 में किया गया था। यहां से निकटतम एयरपोर्ट जगदलपुर है, जहां से यह गांव लगभग 35 किमी. के फासले पर है। *

# भय को जब करेंगे पराजित तब मिलेगी मनचाही सफलता

कई बार हमारे भीतर कुछ ऐसे डर समा जाते हैं, जो सफलता और खुशहाल जीवन की राह में बड़ी रुकावट बन जाते हैं। कौन से हैं ये डर और इनसे कैसे निपटा जाए, मनचाही सफलता पाने के लिए आपको जरूर जानना चाहिए।

सेल्फ मोटिवेशन / शिखर चंद जैन

डर सफलता की राह में सबसे बड़ी अड़चन होती है। 'जो डर गया समझो मर गया', 'डर के आगे जीत है।' ये कुछ पॉपुलर कोटेशंस या फिल्मी डायलॉग हैं, जिन्हें आपने कहीं न कहीं पढ़ा या सुना होगा। सवाल है कि आखिर ये कौन से डर हैं, जिनसे उबरना जरूरी है और इनसे कैसे उबरें, ताकि आप सफल, समृद्ध जीवन की ओर बढ़ सकें।

**पैसे न होने का डर:** अमीर हो या मध्य वर्ग के लोग, पैसों की कमी होने से सब डरते हैं। मध्य और निम्न वर्ग को और ज्यादा गरीब होने का डर सताता है। पैसे की कमी का डर व्यक्ति की महत्वाकांक्षाओं, जोखिम लेने की क्षमता और हिम्मत को खत्म कर देता है। सबसे पहले निर्णय की शक्ति का उपयोग करके इस डर को दूर करें। अपनी चेतना को हमेशा धन की कमी से हटाकर धन की अधिकता पर केंद्रित करें। धन कमाने के तरीकों के बारे में सोचें, न कि गरीबी के परिणामों के बारे में। अपनी आय बढ़ाने का एक स्पष्ट और लिखित लक्ष्य और योजना बनाएं। जब आपके पास काम करने की एक ठोस योजना होती है, तो डर की जगह आत्मविश्वास ले लेता है। हमेशा यह सोचें कि आपकी आंतरिक खुशी भौतिक संपत्ति से अधिक महत्वपूर्ण है। इसके साथ ही पूरी मेहनत से धन कमाने के अपने प्रयास जारी रखें।

**आलोचना का डर:** यह डर अकसर लोगों को नए विचार आजमाने, जोखिम लेने या अपने सपनों का पीछा करने से रोकता है, क्योंकि उन्हें लगता है कि दूसरे लोग क्या सोचेंगे या कहेंगे? इस डर को दूर करने का आसान तरीका यही है कि दूसरों की राय की परवाह न करें। लोग अकसर आपकी आलोचना इसलिए करते हैं, क्योंकि या तो वे खुद डरे हुए होते हैं या फिर आपसे ईर्ष्या करते हैं। अपने कार्यों और निर्णयों के लिए खुद को जवाबदेह बनाएं। आत्म-अनुशासन आपको बाहरी आलोचनाओं से प्रभावित हुए बिना अपने लक्ष्य पर टिके रहने में मदद करता है। आलोचना का डर आपकी रचनात्मकता और कल्पनाशक्ति को खत्म कर देता है। इसलिए खुद को रचनात्मक कार्यों में लगाएं।

**बीमारी-मृत्यु का डर:** यह डर अकसर किसी क्रॉनिक बीमारी या नियमित शारीरिक दर्द से उत्पन्न होता है। कई बार किसी नजदीकी की बीमारी देखकर भी ऐसा होता है। यह डर अकसर मानसिक तनाव पैदा करता है। इसे दूर करने के लिए बीमारी के बारे में लगातार सोचना या बात करना बंद करें। अपने मन को सकारात्मक और स्वस्थ विचारों से भरें। स्वास्थ्यवर्धक जीवनशैली अपनाएं। नियमित व्यायाम, संतुलित आहार और पर्याप्त आराम पर ध्यान केंद्रित करें। अपनी दिमागी शक्ति का उपयोग करें। यह विश्वास करें कि एक स्वस्थ दिमाग एक स्वस्थ शरीर का निर्माण करता है। अपनी मानसिक ऊर्जा को ठीक होने या स्वस्थ रहने में लगाएं, न कि बीमार पड़ने के डर में।

**रिश्ते खोने का डर:** यह डर किसी प्रियजन, जीवनसाथी या परिवार के सदस्य से बिछड़ने या उन्हें खोने के भय से जुड़ा होता है। इसे दूर करने के लिए आत्म-प्रेम और आत्मविश्वास बढ़ाएं। जब आप खुद से प्यार करते हैं और खुद पर भरोसा करते हैं, तो आप दूसरों पर भावनात्मक निर्भरता कम कर देते हैं। ईर्ष्या इस डर का सबसे बड़ा संकेत है। तर्कसंगत रूप से अपनी असुरक्षाओं को पहचानें और उन्हें तर्क से दूर करें। यह समझें कि आप किसी को नियंत्रित नहीं कर सकते। रिश्ते विश्वास और आपसी सम्मान पर टिके होते हैं, डर पर नहीं।

**बुढ़ापे का डर:** यह डर अकसर उम्र बढ़ने के साथ आने वाली शारीरिक कमजोरी, शारीरिक आकर्षण में कमी, आर्थिक अभाव और मृत्यु की संभावना से जुड़ा होता है। इसे दूर करने के लिए बुढ़ापे को अनुभव और ज्ञान के रूप में देखें। उम्र बढ़ने को कमजोरी के रूप में नहीं, बुद्धिमत्ता के संचय के रूप में स्वीकार करें। शारीरिक और मानसिक रूप से सक्रिय रहकर इस डर का मुकाबला करें। नए कौशल सीखें और जीवन में उत्साह बनाए रखें। अपनी आर्थिक सुरक्षा शुरू से ही सुनिश्चित करें। वित्तीय योजना बनाकर बुढ़ापे में संभावित गरीबी के डर को कम करें।

इनमें से कोई डर हो या कोई अन्य प्रकार का डर, सभी डरों को दूर करने का मूल मंत्र 'इच्छाशक्ति' और 'सकारात्मक मानसिक दृष्टिकोण' है। इन दो मूल मंत्रों को अपनाकर आप भयमुक्त खुशहाल जीवन जी सकते हैं। *

भारत की प्राचीनतम और महानतम नदियों- गंगा, नर्मदा की तरह ही ताप्ती नदी का भी भारतीय संस्कृति, भूगोल एवं अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण स्थान है। ताप्ती नदी से जुड़े कुछ महत्वपूर्ण तथ्यों के बारे में बता रहे हैं, जिनसे आप इस नदी की महत्ता को और भी अच्छे से जान-समझ पाएंगे।

# गंगा-नर्मदा जैसी महत्वपूर्ण पश्चिमवाहिनी ताप्ती नदी

नदी गाथा / वीना गौतम

ताप्ती जिसे तापी नदी भी कहते हैं, भारत की उन चुनिंदा बड़ी पश्चिम वाहिनी नदियों में से है, जो मध्य भारत से निकलकर अरब सागर में गिरती है। यह विशेषता इसे गंगा जैसी विशाल पूर्व वाहिनी नदी और नर्मदा जैसी महान पश्चिम वाहिनी नदी के समकक्ष बनाती है। भौगोलिक, आर्थिक, पारिस्थितिक और सांस्कृतिक स्तरों पर इस नदी की भूमिका अत्यंत व्यापक है।

**उद्गम-प्रवाह:** ताप्ती नदी का उद्गम मध्य प्रदेश के बेतूल जिले के पास सतपुड़ा पर्वतमाला में है। यहां से लगभग 724 किलोमीटर की यात्रा तय करते हुए महाराष्ट्र और गुजरात से गुजरती यह नदी अंततः अरब सागर में जा मिलती है। यह पूर्व से पश्चिम की ओर बहती है। इस नदी की सहायक नदियां इसकी जलराशि को संपन्नता प्रदान करती हैं। ताप्ती की सहायक नदियों में पूर्णा, गिर्णा, वाघुर और अंजली जैसी नदियां शामिल हैं। ताप्ती को गंगा और नर्मदा के समकक्ष महत्वपूर्ण नदी इसलिए माना जाता है, क्योंकि यह भी इन्हीं की तरह विशाल नदी घाटी प्रणाली बनाती है। ताप्ती नदी का जलभरण क्षेत्र लगभग 65 हजार वर्ग किलोमीटर है।

ताप्ती नदी के तट पर स्थित मंदिर

जहां तक इसके बहाव की गति की बात है, तो शुष्क मौसम में इसका बहाव 0.3 से 0.6 मीटर प्रतिसेकेंड होता है, जबकि मानसून के दौरान ताप्ती नदी का बहाव 1.5 से 3 मीटर प्रति सेकेंड तक पहुंच जाता है। ताप्ती का औसत वार्षिक प्रवाह 17 से 18 बिलियन घन मीटर आंका गया है। इसका अधिकांश भाग जून से सितंबर यानी मानसून के दौरान प्राप्त होता है। ताप्ती नदी की वर्षा पर निर्भरता करीब 75 फीसदी है और शेष 25 फीसदी जलराशि इसके भूजल, पुनर्भरण और सहायक नदियों के जरिए प्राप्त होता है।

**संस्कृति की वाहक:** जिस तरह गंगा नदी-घाटी में प्राचीन सभ्यताएं विकसित हुईं, वैसे ही ताप्ती घाटी में भी आदिवासी समाज, कृषि संस्कृतियां और व्यापारिक नगर विकसित हुए। गंगा और नर्मदा की तरह ताप्ती को भी अनेक स्थानों में पवित्र नदी का दर्जा प्राप्त है और इसके किनारे मेले और पवित्र स्नानों से संबंधित पर्व आयोजित किए जाते हैं। देश की दूसरी पवित्र नदियों की तरह ताप्ती के तट पर भी अनेक महत्वपूर्ण मंदिर स्थित हैं।

**अर्थव्यवस्था में योगदान:** चूंकि ताप्ती पश्चिम वाहिनी नदी है, इसलिए इसमें ढाल अपेक्षाकृत ज्यादा है। यही कारण है कि इसका प्रवाह पूर्वगामी नदियों के मुकाबले ज्यादा है, जिससे जल विद्युत उत्पादन के लिए ताप्ती महत्वपूर्ण नदी मानी जाती है। इसके पानी का उपयोग सिंचाई के लिए, पेयजल के रूप में, औद्योगिक उपयोग हेतु तथा विद्युत उत्पादन आदि में किया जाता है। ताप्ती नदी की मिट्टी जलोढ़ है, जो अत्यंत उपजाऊ होती है। इस कारण इसके परिक्षेत्र में दोहरी फसल प्रणाली सहजता से संभव है और किसान अपेक्षाकृत कम सिंचाई लागत में खेती कर पाते हैं। ताप्ती बेसिन एक स्वतंत्र और बड़ा जलग्रहण क्षेत्र है, जो लाखों लोगों की कृषि, पेयजल और औद्योगिक आवश्यकताओं को पूरा करती है। यह गुण ही इसे पश्चिम की नर्मदा और पूर्व की गंगा जैसी नदियों के समकक्ष बनाती है। ताप्ती घाटी कपास, सोयाबीन, गन्ना, केला और विभिन्न तरह की दालों की खेती के लिए जानी जाती है। गंगा की तरह ताप्ती नदी भी कृषि आधारित जीवनरेखा की भूमिका निभाती है। ताप्ती नदी कृषि एवं ग्रामीण रोजगार का भी बड़ा आधार बनाती है।

ताप्ती नदी के किनारे स्थित शहर विशेष रूप से कपड़ा, रसायन, हीरा कटाई और खाद्य प्रसंस्करण उद्योगों के लिए प्रसिद्ध हैं। इससे लाखों रोजगार और शहरी विकास को बल मिलता है। इसी नदी के किनारे सूरत जैसा औद्योगिक और व्यापारिक शहर स्थित है।

**समृद्ध पारिस्थितिक तंत्र:** ताप्ती नदी में मीठे पानी की अनेक महत्वपूर्ण प्रजातियों की मछलियां पाई जाती हैं, जिनमें रोहू, कतला और मृगल शामिल हैं। सतपुड़ा क्षेत्र से गुजरते समय यह नदी कई वन क्षेत्रों को सिंचित करती है, जिससे वन क्षेत्रों का पारिस्थितिकी तंत्र गतिशील रहता है। ताप्ती नदी के डेल्टा क्षेत्र में पक्षियों की कई प्रजातियां पाई जाती हैं और प्रवासी पक्षियों का भी यह आश्रय स्थल बनती है। ताप्ती बेसिन में नदी का पानी आस-पास के जलस्रोतों को भरता है, जिससे कुओं, नलकूपों आदि में पूरे साल जल उपलब्ध रहता है।

**मौजूद हैं कई संकट:** देश की अन्य बड़ी नदियों की तरह ताप्ती भी कई तरह की औद्योगिक और पर्यावरणीय चुनौतियों का सामना कर रही है। यह भी औद्योगिक प्रदूषण से ग्रस्त है। इस नदी में भी बड़े पैमाने पर शहरी अपशिष्ट आकर मिलता है तथा इसके आस-पास में भी अवैध रेत खनन आदि की घटनाएं होती रहती हैं। सबसे चिंताजनक बात यह है कि हाल के कुछ सालों में जलवायु परिवर्तन और वर्षा की अनिश्चितता की भी यह नदी शिकार हुई है। यही नहीं इस सबके चलते ताप्ती नदी की गुणवत्ता और जैव विविधता दोनों प्रभावित हुई है। ताप्ती नदी पर मंडरा रहे इन संकटों के मद्देनजर इसके संरक्षण के लिए कई कदम उठाए गए हैं। जैसे अपशिष्ट जलशोधन संयंत्र, नदी किनारे हरित पट्टी का विकास, सामुदायिक जागरुकता और सतत जल प्रबंधन। *

पिछले महीने से सोनी एंटरटेनमेंट चैनल और सोनी लिव पर एक नया शो शुरू हुआ है- 'व्हील ऑफ फॉर्चून', जिसे होस्ट कर रहे हैं अक्षय कुमार। इस शो को उन्होंने क्यों एक्सेप्ट किया? इस सो, अपकमिंग फिल्मों के साथ-साथ अपनी पर्सनल और प्रोफेशनल लाइफ से जुड़े सवालों पर अक्षय कुमार ने खुलकर जवाब दिए हैं इस खास मुलाकात में।

# जो आपकी तकदीर में है वह जरूर आपके पास आएगा: अक्षय कुमार

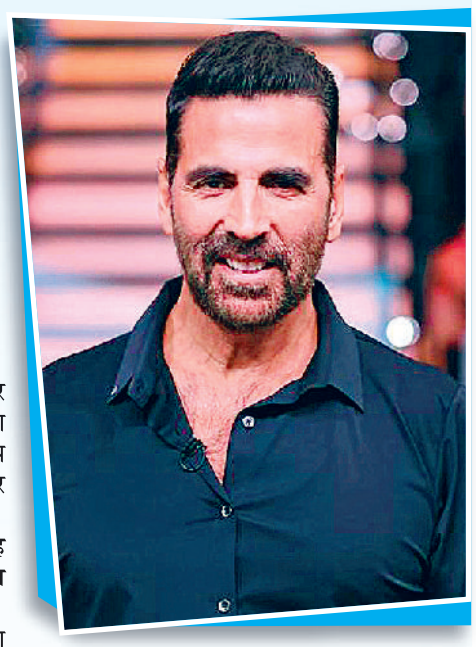

खास मुलाकात / आरती सक्सेना

हाल में ही अक्षय कुमार टीवी और ओटीटी प्लेटफॉर्म पर एक ऐसा रियालिटी शो लेकर आए हैं, जो पहले से ही 60 देशों में पॉपुलर हो चुका है। यह अमेरिका का नंबर वन रियालिटी शो है। इस शो का नाम 'व्हील ऑफ फॉर्चून' है। गेम का पूरा फॉर्मेट अक्षय कुमार खुद बतौर होस्ट इस शो की शुरुआत में समझाते हैं, साथ ही मजाकिया अंदाज में सबको हंसाते नजर आते हैं। इस शो के अलावा अक्षय की फिल्म 'हैवान' रिलीज होने वाली है, जबकि एक और फिल्म 'भूत बंगला' अप्रैल में रिलीज होगी। दोनों ही फिल्मों को प्रियदर्शन ने डायरेक्ट किया है। अक्षय का अपने इस शो और आने वाली फिल्मों को लेकर क्या कहना है? और भी पर्सनल सवालों के जवाब अक्षय कुमार ने एक मुलाकात में बेबाक अंदाज में दिए। पेश है अक्षय कुमार से हुई लंबी बातचीत के प्रमुख अंश-

**आप इन दिनों सोनी एंटरटेनमेंट चैनल पर टेलिकास्ट हो रहे गेम शो 'व्हील ऑफ फॉर्चून' को होस्ट कर रहे हैं। इस गेम शो को होस्ट करने के पीछे खास वजह क्या है?**

मुझे यह शो बहुत ही दिलचस्प लगा, क्योंकि इसमें पार्टिसिपेंट्स को ज्यादा से ज्यादा पैसा कमाने का मौका मिलता है। बहुत ज्यादा दिमाग नहीं लगाना है। अगर तकदीर ने साथ दिया तो कंटेस्टेंट्स, कुछ मिनटों में लाखों रुपए और कई अच्छे और महंगे गिफ्ट जीत सकते हैं। इस शो का फॉर्मेट सिर्फ भारत में ही नहीं बल्कि विदेशों में भी पॉपुलर है। पर्सनली मुझे भी इस शो में कई सारी खूबियां नजर आईं, इसलिए मैंने बतौर होस्ट यह शो करना स्वीकार किया।

**अमिताभ बच्चन ने टीवी पर 'कौन बनेगा करोड़पति' और सलमान खान ने 'बिग बॉस' जैसे सुपरहिट शो के कई सीजंस सफलतापूर्वक होस्ट किए हैं। ऐसे में क्या आपको इन दोनों कलाकारों से कंपैरिजन का भी प्रेशर है?**

नहीं, ऐसा कुछ नहीं है। मैं इस मामले में बहुत पॉजिटिव हूं। मुझे कुछ करना है तो मैं करता हूं, नेगेटिव बातें सोच कर अपने आप को कमजोर नहीं बनाता। मुझे 'व्हील ऑफ फॉर्चून' का कॉन्सेप्ट दिलचस्प लगा तो मैंने शो होस्ट करना मंजूर कर लिया। जहां तक अमित जी और सलमान का सवाल है तो अमित जी मेरे लिए फादर फिगर हैं, सलमान मेरा अच्छा दोस्त है। दोनों ही लोग अपना काम बहुत अच्छे से कर रहे हैं। मेरा उनके साथ कोई कॉम्पिटिशन नहीं है। मैं इस शो को एंज्वॉय कर रहा हूं।

**अगर 'व्हील ऑफ फॉर्चून' में आप होस्ट की जगह पार्टिसिपेंट होते तो आप दिमाग से खेलते या नसीब के भरोसे गेम को आगे बढ़ाते?**

यह शो दिमाग से ज्यादा तकदीर के साथ खेला जा सकता है। शो में दिमाग सिर्फ इतना ही लड़ा सकते हैं कि गेम के दौरान पूछे गए सवालों का जवाब सोच-समझ कर दें, बाकी जब व्हील घूमता है तो जीरो पर भी रुक सकता है और एक करोड़ पर भी। मैंने इस शो में कई लोगों को लाखों रुपए जीतते हुए देखा है। सो अगर मैं कंटेस्टेंट होता तो मुझे भी सही जवाब देना पड़ता, बाकी किस्मत कितना साथ देती है, वह तो अपने हाथ में नहीं होता है।

'व्हील ऑफ फॉर्चून' में अक्षय कुमार का निराला अंदाज

**अपने इस शो में क्या आप किसी खास बॉलीवुड एक्टर को बुलाना चाहेंगे?**

अगर बॉलीवुड एक्टर को अपने शो में बुलाने की बात करें तो मैं सलमान, शाहरुख, विद्या बालन, सुनील शेट्टी, संजय दत्त इन सभी को अपने शो में बुलाना चाहूंगा।

**आप तकदीर पर ज्यादा विश्वास करते हैं या मेहनत पर?**

मेरा मानना है अगर आपकी तकदीर में कुछ नहीं है तो आप लाख कोशिश कर लो वह नहीं मिलेगा और अगर तकदीर में कुछ है तो आप वो पा ही लेंगे। मैं जब छोटा था तो अपने पापा के कंधों पर चढ़कर राजेश खन्ना साहब की शूटिंग और उनका बंगला देखने जाया करता था, मुझे क्या पता था कि एक दिन मेरी उनकी बेटी से ही शादी हो जाएगी। इसलिए मेरा मानना है कि जिंदगी में कुछ भी असंभव नहीं है। जो आपकी तकदीर में लिखा है, वह जरूर आपके पास आएगा।

**बीते कुछ समय में आपकी कई फिल्में असफल रहीं। क्या फ्लॉप फिल्मों ने आपको निराश किया?**

फ्लॉप फिल्में कुछ समय के लिए दुःखी जरूर कर देती हैं, लेकिन जिंदगी में कभी मैं निराश नहीं होता हूं। करियर की शुरुआत में मैंने 12 से 15 फिल्में एक साथ फ्लॉप दी थीं। लेकिन बाद में तकदीर ने पलटा खाया और मेरी कई फिल्में हिट हो गईं, जैसे 'खिलाड़ी', 'मोहरा', 'मैं खिलाड़ी तू अनाड़ी' एक्सेक्ट्रा। मेरा मकसद अपने किरदार के साथ पूरा न्याय करना है। फिर फिल्म फ्लॉप होती है या हिट, यह तो आने वाला वक्त ही बताएगा।

**आने वाली फिल्म 'हैवान' में आप नेगेटिव रोल कर रहे हैं, क्या यह आपकी हीरो वाली इमेज को नुकसान पहुंचा सकता है?**

मेरे ख्याल में ऐसा होगा नहीं, क्योंकि दर्शक भी अपने हीरो को हर तरह के किरदार में देखना चाहते हैं। 'हैवान' में मैं एक बार फिर नेगेटिव रोल कर रहा हूं। मुझे ऐसा लगता है कि दर्शक मुझे इस फिल्म के किरदार में भी बतौर एक्टर खूब पसंद करेंगे। *

## पैसों से ज्यादा महत्वपूर्ण प्यार और रिश्ते

**अक्षय कुमार** के लिए लाइफ में पैसा ज्यादा महत्वपूर्ण है या प्यार, पूछने पर उनका जवाब होता है, 'मेरी नजर में लाइफ में पैसों से ज्यादा प्यार और रिश्तों की अहमियत है। मुझे अपनी बेटी के साथ वक्त बिताना बहुत अच्छा लगता है। खाली वक्त में मैं घर पर अपने परिवार के लिए खाना भी बनाता हूं। अगर आपके अपने आप के साथ हैं तो आप मेहनत करके पैसा कमा सकते हैं, लेकिन पैसों से आप रिश्ते या प्यार नहीं खरीद सकते हैं।'